शुक्रवार, 29 मई, 2026
www.tvbharatvarsh.in
E-PAPER
कुल पृष्ठ–08

15 मैचों में 65 छक्के लगाए
Page-04

tv भारतवर्ष

पूर्वांचल के खूनी गैंगवार की सबसे खौफनाक कहानी
Page-05

# पूर्व जज गिरीबाला सिंह पर CBI का बड़ा आरोप, ट्विशा शर्मा केस में हाई कोर्ट ने रद्द की अग्रिम जमानत

मध्य प्रदेश हाई कोर्ट में अभिनेत्री और मॉडल ट्विशा शर्मा की संदिग्ध मौत के मामले में बुधवार को सुनवाई के दौरान केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (CBI) ने कई गंभीर खुलासे किए। एजेंसी ने अदालत को बताया कि इस मामले में आरोपी पूर्व जज गिरीबाला सिंह ने ट्विशा शर्मा के चरित्र हनन में "कोई कसर नहीं छोड़ी" और जांच को प्रभावित करने की भी कोशिश की गई। CBI ने दावा किया कि ट्विशा को लगातार मानसिक और शारीरिक प्रताड़ना का सामना करना पड़ रहा था। एजेंसी ने दहेज उत्पीड़न, जबरन गर्भपात और सबूतों से छेड़छाड़ जैसे गंभीर आरोप भी अदालत के सामने रखे। CBI के अनुसार, ट्विशा के शरीर पर कई चोटों के निशान पाए गए थे, लेकिन ससुराल पक्ष इन जख्मों के बारे में कोई संतोषजनक जवाब नहीं दे पाया। एजेंसी ने कहा कि मामले को आत्महत्या या सामान्य मौत साबित करने की कोशिश की गई, जबकि कई परिस्थितियां इसे संदिग्ध बनाती हैं। अदालत में यह भी कहा गया कि मृतका की छवि खराब करने के लिए निजी जीवन से जुड़ी बातों को जानबूझकर उछाला गया। CBI की दलीलों को गंभीरता से लेते हुए मध्य प्रदेश हाई कोर्ट ने पूर्व जज गिरीबाला सिंह को दी गई अग्रिम जमानत तत्काल प्रभाव से रद्द कर दी। कोर्ट ने माना कि प्रथम दृष्टया जांच में कई ऐसे तथ्य सामने आए हैं जो आरोपों को गंभीर बनाते हैं। अब एजेंसी को आगे की कानूनी कार्रवाई का रास्ता साफ हो गया है।

# बिहार में दर्दनाक हादसा, गंगा में नाव पलटी, 2 की मौत, 5 लोग लापता

बिहार की राजधानी पटना के बाढ़ अनुमंडल क्षेत्र में बुधवार को बड़ा नदी हादसा हो गया। उमानाथ गंगा घाट के पास यात्रियों से भरी एक नाव अचानक असंतुलित होकर गंगा नदी में पलट गई। हादसे के समय नाव पर लगभग 14 से 15 लोग सवार थे। घटना के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई और स्थानीय लोग तुरंत बचाव कार्य में जुट गए। प्रशासन के अनुसार अब तक दो शव बरामद किए जा चुके हैं, जबकि पांच लोगों के लापता होने की आशंका है। कई यात्रियों को स्थानीय ग्रामीणों और गोताखोरों की मदद से सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। सूचना मिलते ही SDRF और जिला प्रशासन की टीमें मौके पर पहुंचीं और सर्च ऑपरेशन शुरू किया गया। प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि नाव पर क्षमता से अधिक लोग सवार थे। कुछ लोगों ने यह भी दावा किया कि नदी में तेज धारा और अचानक संतुलन बिगड़ने के कारण नाव पलट गई। हादसे के बाद घाट पर लोगों की भारी भीड़ जमा हो गई। प्रशासन ने आसपास के अस्पतालों को अलर्ट पर रखा है और घायलों का इलाज कराया जा रहा है। स्थानीय प्रशासन ने घटना की जांच के आदेश दिए हैं। अधिकारियों का कहना है कि यदि नाव संचालन में लापरवाही पाई जाती है तो दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई होगी। बिहार में हर साल मानसून और जलस्तर बढ़ने के दौरान नाव हादसों की घटनाएं सामने आती हैं, जिससे नदी सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल उठते रहे हैं।

# पंजाब में शादी का खाना बना मुसीबत, फूड पॉइजनिंग से 70 से ज्यादा लोग बीमार

पंजाब के संगरूर जिले के मूनक इलाके में एक शादी समारोह उस समय मातम में बदल गया जब भोजन खाने के बाद बड़ी संख्या में लोग बीमार पड़ गए। महिलाओं और बच्चों समेत कम से कम 72 लोगों को उल्टी, पेट दर्द और चक्कर आने की शिकायत के बाद अस्पताल में भर्ती कराया गया। डॉक्टरों ने प्राथमिक जांच में इसे फूड पॉइजनिंग का मामला माना है। बीमार लोगों को तुरंत मूनक के सिविल अस्पताल और आसपास के निजी अस्पतालों में भर्ती कराया गया। कई मरीजों की हालत बिगड़ने पर उन्हें विशेष निगरानी में रखा गया। घटना की जानकारी मिलते ही स्वास्थ्य विभाग की टीमें सक्रिय हो गईं और शादी समारोह में परोसे गए खाने के नमूने जांच के लिए भेजे गए। पंजाब सरकार के कैबिनेट मंत्री बरिंदर कुमार गोयल ने अस्पताल पहुंचकर मरीजों का हाल जाना और डॉक्टरों से इलाज की जानकारी ली। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। प्रशासन ने इलाके में हाई अलर्ट जारी करते हुए मेडिकल टीमों को चौबीसों घंटे निगरानी रखने के निर्देश दिए हैं। स्थानीय लोगों के मुताबिक शादी में बड़ी संख्या में मेहमान शामिल हुए थे और भोजन देर रात तक परोसा गया। फिलहाल स्वास्थ्य विभाग पूरे मामले की जांच कर रहा है।

# दिल्ली में KCP का मास्टरमाइंड गिरफ्तार, हथियारों का बड़ा जखीरा बरामद

देश की सुरक्षा एजेंसियों ने एक बड़े संयुक्त अभियान में मणिपुर के प्रतिबंधित उग्रवादी संगठन कांगलेईपाक कम्युनिस्ट पार्टी (KCP) के कथित मास्टरमाइंड हाओबिजम दिलीप सिंह को दिल्ली से गिरफ्तार कर लिया है। यह कार्रवाई दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल, मणिपुर पुलिस और केंद्रीय खुफिया एजेंसियों के समन्वय से की गई। अधिकारियों के अनुसार आरोपी राजधानी में किसी बड़ी गुप्त बैठक या साजिश को अंजाम देने आया था। गिरफ्तारी के बाद एजेंसियों ने मणिपुर के काकचिंग इलाके में छापेमारी कर हथियारों और गोला-बारूद का बड़ा जखीरा भी बरामद किया। सुरक्षा अधिकारियों का कहना है कि इस ऑपरेशन से उग्रवादी नेटवर्क को बड़ा झटका लगा है। बरामद हथियारों में आधुनिक बंदूकें, विस्फोटक सामग्री और संचार उपकरण शामिल बताए जा रहे हैं। जांच एजेंसियों को आशंका है कि संगठन देश के विभिन्न हिस्सों में अपनी गतिविधियां बढ़ाने की कोशिश कर रहा था। पूछताछ में कई अहम जानकारियां सामने आने की उम्मीद जताई जा रही है। अधिकारियों ने कहा कि आरोपी के संपर्कों और फंडिंग नेटवर्क की भी जांच की जा रही है।

# डोनाल्ड ट्रंप की ओमान को चेतावनी, होर्मुज पर ईरान का साथ देने पर दिया गंभीर अंजाम भुगतने की धमकी

मध्य पूर्व में बढ़ते तनाव के बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ओमान को लेकर बेहद सख्त बयान दिया है। ट्रंप ने चेतावनी दी कि यदि ओमान ने होर्मुज जलडमरूमध्य के मुद्दे पर ईरान का समर्थन किया, तो उसे गंभीर परिणाम भुगतने पड़ सकते हैं। होर्मुज जलडमरूमध्य दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण समुद्री व्यापार मार्गों में से एक है। वैश्विक कच्चे तेल का लगभग 20 प्रतिशत हिस्सा इसी रास्ते से गुजरता है। ऐसे में यहां किसी भी तरह का तनाव पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्था और तेल बाजार को प्रभावित कर सकता है। ट्रंप ने कहा कि अमेरिका किसी भी देश को इस रणनीतिक मार्ग पर एकतरफा नियंत्रण स्थापित नहीं करने देगा। उन्होंने आरोप लगाया कि ईरान लगातार क्षेत्र में अस्थिरता बढ़ाने की कोशिश कर रहा है और उसके सहयोगियों को भी इसके परिणाम भुगतने पड़ सकते हैं। ओमान लंबे समय से अमेरिका और ईरान के बीच संतुलन बनाने की कोशिश करता रहा है।

# अफ्रीका में इबोला संकट गहराया, भारत ने कांगो को भेजी आपातकालीन चिकित्सा सामग्री

मध्य अफ्रीका में इबोला वायरस का प्रकोप तेजी से फैल रहा है, जिससे अंतरराष्ट्रीय स्वास्थ्य एजेंसियों की चिंता बढ़ गई है। डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कांगो और युगांडा में लगातार बढ़ते मामलों के बाद विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) ने इसे अंतरराष्ट्रीय चिंता का सार्वजनिक स्वास्थ्य आपातकाल घोषित किया है। इस गंभीर स्थिति के बीच भारत ने कांगो को आपातकालीन चिकित्सा सहायता भेजी है। भारतीय सहायता पैकेज में जांच किट, दवाइयां, संक्रमण रोकथाम उपकरण और मरीजों के इलाज के लिए आवश्यक मेडिकल सामग्री शामिल है। India की इस मदद को Africa CDC ने महत्वपूर्ण बताया है। इबोला वायरस बेहद घातक माना जाता है और संक्रमित व्यक्ति में तेज बुखार, कमजोरी और आंतरिक रक्तस्राव जैसे लक्षण दिखाई देते हैं। स्वास्थ्य विशेषज्ञों के अनुसार यदि समय रहते संक्रमण को नियंत्रित नहीं किया गया तो यह बड़े मानवीय संकट का रूप ले सकता है।

# चीन-पाक बयान पर भारत का सख्त जवाब

## CPEC को बताया संप्रभुता का उल्लंघन

**ताइवान को लेकर अमेरिका और चीन के बीच तनाव एक बार फिर खुलकर सामने आ गया है।चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को चेतावनी देते हुए कहा कि ताइवान मुद्दे पर गलत कदम दोनों देशों को संघर्ष की ओर धकेल सकता है।**

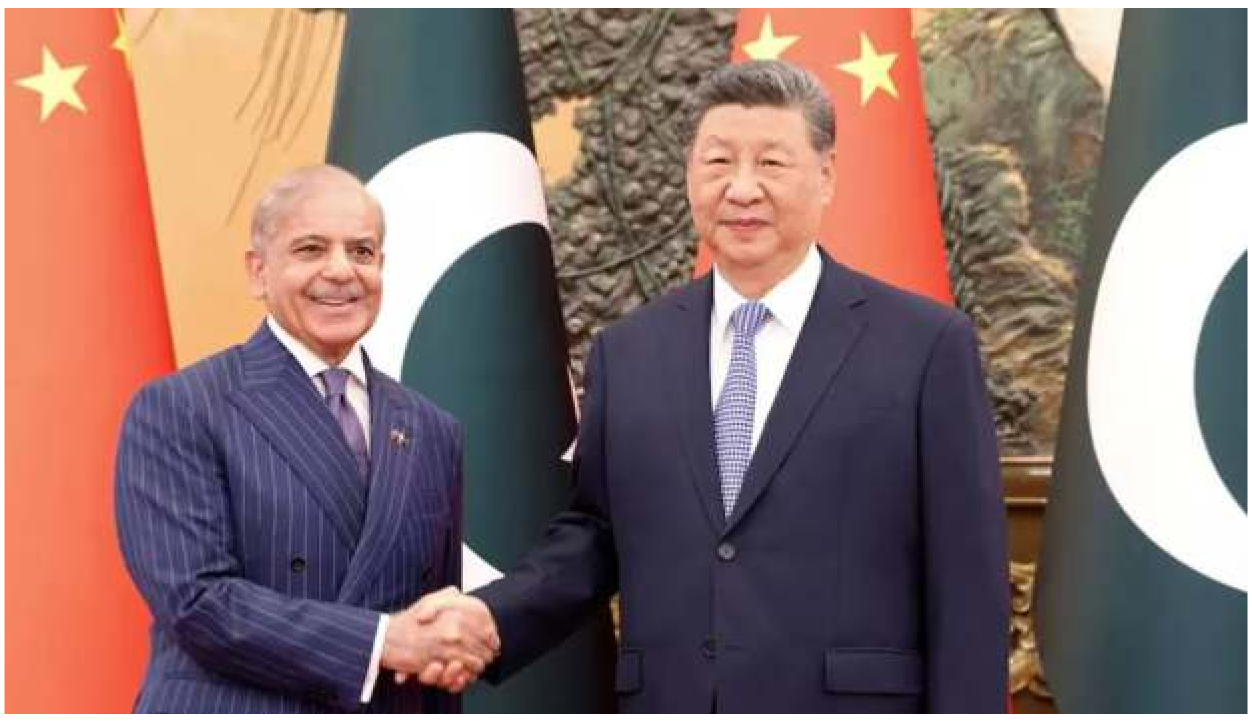

**टीवी भारतवर्ष अंतर्राष्ट्रीय**

नई दिल्ली ने एक ऐसा जवाब दिया कि चीन और पाकिस्तान दोनों की बोलती बंद हो गई। कंगाल पाकिस्तान जो दुनिया भर से कर्ज मांगकर अपना देश चला रहा है, वह चीन पहुंचते ही फिर भारत के खिलाफ जहर उगलने लगा। लेकिन भारत ने साफ शब्दों में यह कह दिया है कि जम्मू कश्मीर और लद्दाख भारत का अभिन्न हिस्सा थे, हैं और हमेशा रहेंगे। इतना ही नहीं भारत ने चीन के सबसे बड़े ड्रीम प्रोजेक्ट सीपीईसी पर भी सीधा वार कर दिया है और बीजिंग को यह याद दिलाया है कि पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर से गुजरने वाला हर प्रोजेक्ट भारत की संप्रभुता पर हमला माना जाएगा। दरअसल बता दें कि पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ 23 से 26 मई तक चीन दौरे पर थे। दोनों देशों के रिश्तों के 75 साल पूरे होने के नाम पर बड़े-बड़े यहां पर दावे किए गए। लेकिन असली मकसद फिर से वही था भारत के खिलाफ माहौल बनाना। चीन और पाकिस्तान की तरफ से एक संयुक्त बयान जारी किया गया जिसमें पाकिस्तान ने चीन को जम्मू कश्मीर के हालात पर ब्रीफ किया। इसके बाद चीन ने भी वही पुराना राग अलपा। कश्मीर को इतिहास से जुड़ा विवाद बताया और यूएन चार्टर और यूएससी प्रस्तावों की बात करने लगा। लेकिन चीन और पाकिस्तान शायद यह भूल गए थे कि यह नया भारत है। भारत ने तुरंत इस पूरे बयान को खारिज कर दिया। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जयसवाल ने साफ कहा जम्मू कश्मीर और लद्दाख भारत के अभिन्न और अविभाज्य हिस्से हैं और इस मुद्दे पर टिप्पणी करने का किसी दूसरे देश को कोई अधिकार नहीं है। लेकिन असली चोट इसके बाद आई। भारत ने चीन पाकिस्तान इककोनमिक कॉरिडोर यानी कि सीपीईसी पर सीधा हमला बोल दिया। भारत ने आगे यह साफ कहा है कि सीपीईसी के कई प्रोजेक्ट्स भारत के उस संप्रभु क्षेत्र से गुजरते हैं जिस पर पाकिस्तान ने अवैध कब्जा कर रखा है। यानी कि गिलगिट, बलिचिस्तान और पीओके से गुजरने वाले इस प्रोजेक्ट को भारत ने एक तरह से पूरी तरह से अवैध बता दिया। सीपीसी चीन का ड्रीम प्रोजेक्ट कैसे है। करीब बता दें कि 60 बिलियन डॉलर का यह कॉरिडोर चीन के शीजियांग को पाकिस्तान के गवादर पोर्ट से जोड़ता है। इसके जरिए चीन सीधे अरब सागर तक अपनी पहुंच बनाना चाहता है। यहां पर सड़क, रेलवे, बंदरगाह और ऊर्जा प्रोजेक्ट्स के जरिए पूरे इलाके में अपनी पकड़ मजबूत करना चाहता है। लेकिन भारत लगातार यह कहता आया है कि सीपीईसी भारत की संप्रभुता का उल्लंघन है। क्योंकि इसका बड़ा हिस्सा भारत के वैध क्षेत्र पीओके से होकर गुजरता है।

## भारत-नेपाल सीमा पर बढ़ी सख्ती से लोगों की मुश्किलें बढ़ीं

**टीवी भारतवर्ष अंतर्राष्ट्रीय**

भारत-नेपाल सीमा पर हाल के दिनों में तनाव बढ़ता दिखाई दे रहा है। वर्षों से दोनों देशों के बीच बेटी-रोटी का रिश्ता रहा है, लेकिन नेपाल सरकार के कुछ नए फैसलों ने सीमा से जुड़े इलाकों में रहने वाले लोगों की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। ताजा मामला भारतीय वाहनों पर लागू की गई सख्ती का है। नेपाल सरकार ने भारतीय नंबर की गाड़ियों के लिए नियम कड़े कर दिए हैं। अब कोई भी भारतीय वाहन नेपाल में एक कैलेंडर वर्ष के दौरान कुल 30 दिन ही रह सकेगा। यह अवधि लगातार या अलग-अलग हिस्सों में हो सकती है, लेकिन 30 दिन से अधिक रुकने पर जुर्माना लगाया जाएगा। भारत के भारतीय दूतावास काठमांडू की हालिया सूचना के अनुसार, भारतीय पंजीकृत वाहन नेपाल में एक साल में कुल 30 दिन ही रह सकते हैं। इसके साथ ही नेपाल में प्रवेश करने से पहले भारतीय वाहनों के लिए भंसार यानी कस्टम परमिट लेना भी अनिवार्य कर दिया गया है। दोपहिया वाहनों के लिए प्रतिदिन 100 नेपाली रुपये, तीन पहिया के लिए 400 नेपाली रुपये और चार पहिया वाहनों के लिए 600 नेपाली रुपये शुल्क तय किया गया है। नेपाल सरकार का कहना है कि यह नया नियम नहीं है, बल्कि पुराने कानूनों को सख्ती से लागू किया जा रहा है। अधिकारियों के मुताबिक, बिना अनुमति वाहनों की बढ़ती आवाजाही से टैक्स चोरी और सुरक्षा संबंधी चुनौतियां बढ़ रही थीं। हालांकि सीमा से जुड़े इलाकों में इसका असर सबसे ज्यादा आम लोगों पर पड़ रहा है। इन क्षेत्रों के लोग रोजमर्रा की जरूरतों, छोटे व्यापार, रिश्तेदारी, शादी-ब्याह और सामाजिक कार्यक्रमों के लिए वर्षों से आसानी से दोनों देशों के बीच आवाजाही करते रहे हैं। अब नई व्यवस्था के कारण यह सब कठिन हो गया है।

## जनभावनाओं का सम्मान
## मेट्रो स्टेशन, अस्पतालों के नाम बदल दिए

**टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय**

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता सरकार ने बड़ा फैसला लिया है। सीएम रेखा गुप्ता ने दिल्ली की पहचान और जनभावनाओं का सम्मान करते हुए कई मेट्रो स्टेशन, अस्पतालों आदि के नाम बदल दिए हैं। रोहिणी वेस्ट मेट्रो स्टेशन अब 'डॉ. बाबा साहेब अंबेडकर अस्पताल' कहलाएगा। इसके अलावा बेगमपुर (रोहिणी) में निर्माणाधीन खेल परिसर का नाम पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न स्वर्गीय श्री अटल बिहारी वाजपेयी जी के नाम 'अटल खेल परिसर' रखा जाएगा। वहां पूर्व प्रधानमंत्री की प्रतिमा भी स्थापित की जाएगी। मुख्यमंत्री का कहना है कि बदले गए नाम दिल्ली की विविध सांस्कृतिक पहचान, सामाजिक चेतना और राष्ट्रीय विरासत को प्रतिबिंबित करते हैं। सरकार दिल्ली के विकास के साथ-साथ उसकी ऐतिहासिक और सांस्कृतिक पहचान को भी मजबूत करने के लिए प्रतिबद्ध है। राज्य नामकरण प्राधिकरण (SNA) की चेयरपर्सन और मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता की अध्यक्षता में हाल ही में दिल्ली सचिवालय में बैठक आयोजित की गई थी, जिसमें इन प्रस्तावों को सर्वसम्मति से मंजूरी दी गई। बैठक में दिल्ली के मुख्य सचिव, शहरी विकास विभाग के सचिव, दिल्ली मेट्रो रेल कॉरपोरेशन (DMRC) के प्रबंध निदेशक और दिल्ली विकास प्राधिकरण (D D A) के निदेशक सहित वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में बेगमपुर (रोहिणी के सेक्टर-33) स्थित नव-निर्मित खेल परिसर के नामकरण का प्रस्ताव भी रखा गया। अथॉरिटी ने सर्वसम्मति से निर्णय लिया कि इस परिसर का नाम 'अटल खेल परिसर' रखा जाएगा। इसके अलावा, परिसर में पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेयी की प्रतिमा स्थापित करने के प्रस्ताव को भी मंजूरी दी गई।

## अनिल कुमार ने पिनारयी विजयन पर निशाना साधा

**टीवी भारतवर्ष अंतर्राष्ट्रीय**

राजस्व मंत्री और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एपी अनिल कुमार ने गुरुवार को पूर्व मुख्यमंत्री पिनारयी विजयन पर निशाना साधा। यह बयान उस समय आया, जब प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने विजयन के आवास पर छापेमारी की। उनका कहना है कि ईडी की कार्रवाई के बाद विजयन को केंद्र सरकार से सवाल करना चाहिए था, लेकिन उन्होंने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर हमला करना शुरू कर दिया। बुधवार को ईडी टीम की ओर से तलाशी पूरी करने के तुरंत बाद विजयन ने टिप्पणी की थी कि 'राहुल गांधी अब खुश होंगे'। यह बात उन्होंने सीएमआरएल-एक्सालॉजिक वित्तीय लेनदेन मामले में ईडी द्वारा उनके खिलाफ कोई कार्रवाई न किए जाने के बारे में कांग्रेस नेता द्वारा बार-बार उठाए गए सवालों के संदर्भ में कही थी। इस बयान पर तीखी प्रतिक्रिया देते हुए अनिल कुमार ने सवाल उठाया कि केंद्रीय एजेंसियों ने उनके और उनके परिवार के खिलाफ छापेमारी की। इसके बावजूद विजयन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्र सरकार के खिलाफ पूरी तरह चुप क्यों रहे। अनिल कुमार ने कहा, 'राहुल गांधी को निशाना बनाते हुए पिनारयी विजयन प्रधानमंत्री मोदी के खिलाफ एक शब्द भी क्यों नहीं बोल रहे हैं? उन्होंने हमेशा प्रधानमंत्री मोदी के प्रति एक विशेष प्रकार का भय दिखाया है, और यह कल फिर स्पष्ट हो गया।'

## डोनाल्ड ट्रंप ने अब चला अब्राहम अकॉर्ड्स दांव

**टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय**

ईरान से जंग, खाड़ी में तनाव और तेल संकट के बीच डोनाल्ड ट्रंप ने अब ऐसा दांव चला है, जिसने पूरे खाड़ी देशों को असहज कर दिया है. ट्रंप ने पहले अरब देशों से अनुरोध किया कि वह अब्राहम अकॉर्ड में शामिल हों और इजरायल को मान्यता दें. वहीं अब ट्रंप के सुर बदल गए हैं. उन्होंने साफ संकेत दिया है कि अगर खाड़ी के मुस्लिम देश इजरायल को मान्यता नहीं देते और अब्राहम अकॉर्ड्स में शामिल नहीं होते, तो ईरान के साथ होने वाली शांति डील भी खतरे में पड़ सकती है. यही वजह है कि ट्रंप का नया बयान अब पश्चिम एशिया में 'गुगली' की तरह देखा जा रहा है. व्हाइट हाउस कैबिनेट मीटिंग में ट्रंप ने कहा, 'अगर वे अब्राहम अकॉर्ड्स में शामिल होने पर साइन नहीं करते, तो मुझे नहीं पता कि हमें डील करनी भी चाहिए या नहीं. सच कहूं तो इन देशों पर अमेरिका का एहसान है.' ट्रंप ने इससे पहले ट्रुथ सोशल पर भी लिखा था कि सऊदी अरब, कतर, पाकिस्तान, टर्की, मिस्र और जॉर्डन जैसे देशों के लिए अब्राहम अकॉर्ड्स में शामिल होना 'अनिवार्य' होना चाहिए. दरअसल अमेरिका ने ईरान पर 28 फरवरी को हमला किया था. जवाबी कार्रवाई में ईरान ने कतर के अल उदैद बेस, UAE के अल धाफरा बेस, बहरीन की फिफ्थ फ्लीट और सऊदी अरब के प्रिंस सुल्तान बेस समेत कई अमेरिकी ठिकानों को निशाना बनाया था. एक महीने से ज्यादा समय तक दोनों के बीच युद्ध चला और अंत में सीजफायर हो गया. अब शांति की बात चल रही है, लेकिन कोई डील फाइनल नहीं हो पा रही. इसी बीच ट्रंप ने खाड़ी देशों के सामने अब्राह्म अकॉर्ड मानने की शर्त रख दी है. युद्ध के दौरान ईरान ने जब जवाबी हमला किया था तब अमेरिका से ज्यादा खाड़ी के यही देश हिल गए. बात यहां तक आ गई कि अमेरिका के ये बेस इन देशों के लिए 'सुरक्षा' कम और 'मुसीबत' ज्यादा बन चुके हैं. खाड़ी के ही कई एक्सपर्ट्स ने इस बात की वकालत की है कि अमेरिका के इन सैन्य अड्डों को अब बंद कर दिया जाए. ईरान के सुप्रीम लीडर मोजतबा खामेनेई ने कहा था कि खाड़ी देश अब अमेरिकी बेस के 'शील्ड' नहीं बनेंगे. उन्होंने सीजफायर की शर्त के तौर पर अमेरिकी बेस बंद करने की मांग भी रखी. UAE के प्रमुख विश्लेषक अब्दुलखालेक अब्दुल्ला ने कहा, 'अमेरिकी बेस अब स्ट्रैटेजिक एसेट नहीं, बल्कि बोझ बन चुके हैं.

## संपादक की कलम से

लोकतंत्र केवल मतदान तक सीमित व्यवस्था नहीं है। इसकी असली ताकत जनता के उस भरोसे में छिपी होती है कि उसका मत स्वतंत्र, निष्पक्ष और प्रभावी है। जब चुनावों की पारदर्शिता पर सवाल उठते हैं, तब मामला केवल किसी दल की जीत या हार का नहीं रहता, बल्कि लोकतांत्रिक व्यवस्था की विश्वसनीयता भी बहस के केंद्र में आ जाती है। हाल के दिनों में चुनावी प्रक्रिया को लेकर उठे आरोपों ने इसी चिंता को फिर सामने ला दिया है। यह कहा जा रहा है कि कई बार केवल कुछ सीटों का परिणाम ही नहीं, बल्कि पूरी सत्ता का स्वरूप भी चुनावी प्रक्रियाओं से प्रभावित हो सकता है। मतदाता सूचियों में गड़बड़ी, मतदान के दौरान कथित अनियमितताएं और संस्थागत निष्पक्षता पर उठते सवाल लोकतंत्र के लिए चिंताजनक संकेत हैं। यदि जनता को यह महसूस होने लगे कि उसका मत पूरी ईमानदारी से दर्ज नहीं हो रहा, तो लोकतांत्रिक व्यवस्था की नींव कमजोर पड़ने लगती है। भारतीय लोकतंत्र दुनिया का सबसे बड़ा लोकतांत्रिक प्रयोग माना जाता है। करोड़ों मतदाता हर चुनाव में उत्साह से भाग लेते हैं और इसी भागीदारी से लोकतंत्र को शक्ति मिलती है। लेकिन यही शक्ति तब कमज़ोर होने लगती है जब चुनावी प्रक्रिया को लेकर संदेह पैदा होता है। संदेह चाहे वास्तविक हो या केवल राजनीतिक विवाद का हिस्सा, उसका असर आम नागरिक के मन पर पड़ता है। मतदाता के मन में यदि यह सवाल पैदा हो जाए कि उसका मत सही अर्थों में गिना भी जाएगा या नहीं, तो यह स्थिति किसी भी लोकतंत्र के लिए गंभीर मानी जाएगी।यह भी सच है कि चुनावी हार के बाद आरोप-प्रत्यारोप की राजनीति कोई नई बात नहीं है। लंबे समय से यह प्रवृत्ति देखी जाती रही है कि जब परिणाम उम्मीद के अनुरूप नहीं आते, तो चुनावी प्रक्रिया पर सवाल उठने लगते हैं। लेकिन लोकतंत्र में केवल आरोप पर्याप्त नहीं होते। यदि किसी को चुनावी अनियमितताओं पर संदेह है, तो उसके समर्थन में प्रमाण और तथ्य भी सामने आने चाहिए। बिना ठोस आधार के लगाए गए आरोप केवल राजनीतिक वातावरण को और अधिक अविश्वास से भरते हैं। दूसरी ओर, चुनाव कराने वाली संस्थाओं की जिम्मेदारी भी कम नहीं है। केवल निष्पक्ष होना पर्याप्त नहीं, बल्कि जनता के सामने निष्पक्ष दिखाई देना भी उतना ही आवश्यक है। मतदाता सूची, मतदान प्रक्रिया, मतगणना और परिणामों की घोषणा तक हर स्तर पर अधिक पारदर्शिता समय की मांग है। यदि कहीं भी शंका की गुंजाइश रह जाती है, तो उसे दूर करने के लिए संस्थाओं को तत्परता से सामने आना चाहिए। लोकतंत्र की सबसे बड़ी पूंजी जनता का विश्वास है। यह विश्वास टूटने लगे तो चुनाव केवल औपचारिकता बनकर रह जाते हैं। इसलिए आवश्यक है कि राजनीतिक मतभेदों से ऊपर उठकर चुनावी प्रक्रिया की विश्वसनीयता को सुरक्षित रखा जाए। लोकतंत्र तभी मजबूत रहेगा जब आम नागरिक को यह भरोसा होगा कि उसका मत किसी भी परिस्थिति में उसकी आवाज़ बनकर सामने आएगा। यही भरोसा लोकतंत्र की असली नींव है और इसकी रक्षा करना हम सबकी साझा जिम्मेदारी है।

# OSM प्रक्रिया में गड़बड़ी पर बोले धर्मेंद्र प्रधान
# कहा- हर शिकायत का होगा समाधान

**CBSE ने भी स्पष्ट किया कि OSM मूल्यांकन के लिए इस्तेमाल किया गया वास्तविक पोर्टल पूरी तरह सुरक्षित है और उसमें कोई सेंध नहीं लगी है। बोर्ड ने कहा कि सोशल मीडिया पर जो यूआरएल वायरल हो रहा है, वह केवल एक टेस्टिंग साइट थी जिसमें सैंपल डेटा मौजूद था और उसका लाइव मूल्यांकन प्रणाली से कोई संबंध नहीं था।**

**टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय**

केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने CBSE की ऑन-स्क्रीन मार्किंग (OSM) प्रक्रिया में आई गड़बड़ियों की जिम्मेदारी लेते हुए छात्रों को समाधान का भरोसा दिया। IIT कानपुर और IIT मद्रास के विशेषज्ञ जांच में मदद करेंगे। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने गुरुवार को CBSE की ऑन-स्क्रीन मार्किंग (OSM) मूल्यांकन प्रक्रिया में सामने आई गड़बड़ियों की जिम्मेदारी लेते हुए छात्रों को भरोसा दिलाया कि किसी भी शिकायत को नजरअंदाज नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि यदि जांच में कोई व्यक्ति जानबूझकर गड़बड़ी का दोषी पाया गया तो उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। धर्मेंद्र प्रधान ने CBSE मुख्यालय में अधिकारियों के साथ बैठक कर 12वीं की कॉपियों के पुनर्मूल्यांकन और सत्यापन प्रक्रिया में छात्रों को आ रही तकनीकी और भुगतान संबंधी समस्याओं की समीक्षा की। बैठक के बाद उन्होंने कहा, 'गड़बड़ियों की जिम्मेदारी मैं लेता हूं। इन समस्याओं को ठीक किया जाएगा और जरूरी कदम उठाए जाएंगे। मैं छात्रों को भरोसा दिलाता हूं कि उनकी एक भी शिकायत अनसुनी या अनसुलझी नहीं रहेगी। इस साल करीब 17 लाख छात्रों ने सीबीएसई की परीक्षा दी। छात्रों की कुल 98 लाख उत्तर पुस्तिकाएं सुरक्षित रखी गई हैं। प्रत्येक कॉपी में औसतन 40 पन्ने हैं, यानी लगभग 40 करोड़ स्कैन किए गए पन्नों का पहली बार OSM प्रक्रिया के जरिए मूल्यांकन किया गया।' प्रधान ने कहा, 'ऑन-स्क्रीन मार्किंग प्रणाली एक छात्र हितैषी और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्य प्रक्रिया है, जिसका उद्देश्य मूल्यांकन में पारदर्शिता बढ़ाना है। हालांकि पहली बार इसे लागू करने के कारण कुछ तकनीकी गड़बड़ियां सामने आई हैं। यह पहली बार था जब सीबीएसई ने इस प्रणाली का इस्तेमाल किया और कुछ विसंगतियां सामने आई हैं। मैं इसकी जिम्मेदारी लेता हूं और भरोसा दिलाता हूं कि समाधान निकाला जाएगा। हम लगातार इस पर काम कर रहे हैं।' धर्मेंद्र प्रधान ने बताया कि सॉफ्टवेयर और तकनीकी समस्याओं की जांच और समाधान के लिए IIT कानपुर और IIT मद्रास के विशेषज्ञों को भी शामिल किया गया है। ये विशेषज्ञ CBSE की तकनीकी टीम के साथ मिलकर पूरे सिस्टम की समीक्षा करेंगे। उन्होंने यह भी बताया कि छात्रों को भुगतान संबंधी परेशानी न हो, इसके लिए वित्त मंत्रालय से चर्चा के बाद 4 सरकारी बैंकों स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (SBI), इंडियन बैंक, बैंक ऑफ बड़ौदा और केनरा बैंक के पेमेंट गेटवे को सीबीएसई पोर्टल से जोड़ा गया है। शिक्षा मंत्री ने कहा, 'छात्रों को जो भी परेशानी हुई है, उसकी जिम्मेदारी हम लेते हैं और इसके लिए खेद भी जताते हैं। मैं भरोसा दिलाता हूं कि अगर कोई व्यक्ति जानबूझकर इन गड़बड़ियों के लिए जिम्मेदार पाया गया, तो चाहे वह CBSE के अंदर हो या बाहर, उसे बख्शा नहीं जाएगा।' उन्होंने राजनीतिक दलों से इस मुद्दे का राजनीतिकरण न करने की अपील भी की। प्रधान ने कहा कि सबसे बड़ी प्राथमिकता छात्रों का मानसिक तनाव कम करना होना चाहिए। कांग्रेस नेता राहुल गांधी द्वारा सीबीएसई परिणामों में 'बड़ी छेड़छाड़' के आरोप लगाए जाने पर धर्मेंद्र प्रधान ने जवाब देते हुए कहा कि CBSE ने इस मामले में जिम्मेदारी से प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा, 'अगर कोई अनियमितता पाई जाती है तो किसी को नहीं छोड़ा जाएगा। लेकिन राहुल गांधी लगातार चुनाव हारने के कारण अलग मानसिक स्थिति में नजर आते हैं। उन्होंने पहले राफेल, ईवीएम और डिजिटल इंडिया का भी विरोध किया था। ऐसा लगता है कि वे भारत की वैज्ञानिक प्रगति के खिलाफ हैं।' प्रधान ने कहा कि सरकार ने खुद गड़बड़ियों की जिम्मेदारी ली है, इसलिए इस समय राजनीति करने के बजाय छात्रों के हित को प्राथमिकता देनी चाहिए।

# सुवेंदु अधिकारी ने खुलासा किया पुरुष नेता लक्ष्मी भंडार योजना के तहत नकद लाभ ले रहे थे

**टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय**

पुरानी कहावत है कि चोर ही दूसरे चोर को चोर कह रहा है। बंगाल के मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी ने खुलासा किया कि तृणमूल कांग्रेस के पुरुष नेता महिलाओं के लिए बनी लक्ष्मी भंडार योजना के तहत नकद लाभ ले रहे थे। इसके जवाब में, उनमें से एक नेता ने कथित धोखाधड़ी के लिए अपनी ही पार्टी को दोषी ठहरा दिया। टीएमसी के लिए यह शर्मिंदगी ऐसे समय में आई है जब चुनाव में करारी हार के बाद पार्टी पर भ्रष्टाचार के आरोप लगभग हर दिन सामने आ रहे हैं। एक अन्य घटना में, तृणमूल पार्टी के एक कार्यालय के पास एक खेत में 2 करोड़ रुपये से अधिक की नकदी के बंडल दबे हुए पाए गए। इन घटनाओं ने भाजपा को टीएमसी पर हमला करने का एक और मौका दे दिया है। टीएमसी के खिलाफ सबसे चौंकाने वाला आरोप शायद यह था कि उसके अपने पुरुष नेताओं ने लक्ष्मी भंडार योजना के तहत महिलाओं के लिए निर्धारित नकद राशि हड़प ली। मुख्यमंत्री सुवेंदु ने बुधवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में इसका खुलासा किया, जहां उन्होंने महिलाओं के लिए अन्नपूर्णा योजना की घोषणा की, जो लक्ष्मी भंडार योजना का ही नया रूप है। ममता बनर्जी की पिछली सरकार की प्रमुख योजना लक्ष्मी भंडार के तहत, पात्र महिलाओं को प्रति माह 1,500 रुपये सीधे उनके बैंक खातों में मिलते थे। अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति समूह की महिलाओं को 1,700 रुपये मिलते थे। भाजपा ने इस राशि को दोगुना करके 3,000 रुपये करने का वादा किया है। हालांकि, मुख्यमंत्री ने बताया कि लक्ष्मी भंडार योजना अनियमितताओं से ग्रस्त है, जिसके चलते लगभग 30 लाख लाभार्थी अपात्र पाए गए हैं। उन्होंने मुर्शिदाबाद के राधरघाट ग्राम पंचायत के सदस्य और टीएमसी नेता रकीबुल शेख का उदाहरण दिया, जिन्हें पिछले तीन वर्षों से प्रति माह 1,500 रुपये मिल रहे हैं। मुर्शिदाबाद के टीएमसी नेता रकीबुल शेख को लक्ष्मी भंडार से पैसा मिल रहा है।। सुवेंदु ने कहा सत्यापन की कमी के कारण ऐसी फर्जी चीजें हुई हैं। इस खुलासे से हलचल मच गई। देखते ही देखते, पत्रकार रकीबुल से संपर्क करने लगे, जो एक व्यवसायी भी हैं।

# भारतीय जनता पार्टी ने चार राज्यों में नए प्रदेश अध्यक्षों की नियुक्ति की

**टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय**

भारतीय जनता पार्टी ने अपने सांगठनिक ढांचे में बड़ा बदलाव करते हुए चार प्रमुख राज्यों के प्रदेश अध्यक्षों को बदल दिया है। पार्टी द्वारा जारी आधिकारिक जानकारी के मुताबिक, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने जिन राज्यों के अध्यक्ष बदले गए हैं, उनमें दिल्ली, हरियाणा, पंजाब और त्रिपुरा शामिल हैं। इसके तहत हर्ष मल्होत्रा को दिल्ली, डॉ. अर्चना गुप्ता को हरियाणा, अभिषेक देबरॉय को त्रिपुरा और सरदार केवल सिंह ढिल्लों को पंजाब भाजपा का नया प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। केंद्रीय मंत्रिमंडल में शामिल हर्ष मल्होत्रा पूर्वी दिल्ली से सांसद हैं। अब उन्हें दिल्ली बीजेपी अध्यक्ष की नई जिम्मेदारी दी गई है। वर्ष 2012 में राजनीतिक करियर की शुरुआत करने वाले मल्होत्रा वीरेंद्र सचदेवा की जगह लेंगे। वीरेंद्र सचदेवा के नेतृत्व में दिल्ली में पार्टी को 2025 के विधानसभा चुनाव में जीत मिली थी। हर्ष मल्होत्रा पूर्वी दिल्ली नगर निगम के महापौर रह चुके हैं। 2024 के आम चुनावों में पूर्वी दिल्ली से 18वीं लोकसभा के लिए चुने गए थे। उन्हें पूर्व क्रिकेटर गौतम गंभीर की जगह ली थी। बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने हरियाणा संगठन में बड़ा बदलाव किया है। उन्होंने मोहन लाल बडा◌ैली की जगह अर्चना गुप्ता को नया प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त किया है। पार्टी हाईकमान के इस फैसले

को आगामी संगठनात्मक और राजनीतिक रणनीति से जोड़कर देखा जा रहा है। यह फैसला तत्काल लागू कर दिया गया है। राजनीतिक मामलों के जानकार इस बदलाव को हरियाणा में भाजपा की नई रणनीति का हिस्सा मान रहे हैं, विशेषकर जब पार्टी आगामी चुनावों और संगठनात्मक विस्तार की तैयारी में जुटी हुई है। पंजाब में भाजपा को नया प्रदेश अध्यक्ष मिल गया है। पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने बरनाला के पूर्व विधायक और वरिष्ठ नेता केवल सिंह ढिल्लो को यह जिम्मेदारी दी है। उनका नाम सामने आने के बाद बीजेपी में नए राजनीतिक समीकरणों को लेकर चर्चाएं तेज हो गई हैं। उन पर पार्टी को नए सिरे से मजबूत करने और ग्रामीणों क्षेत्रों में स्थिति बेहतर करने की जिम्मेदारी है। पूर्वोत्तर राज्य त्रिपुरा के प्रदेश अध्यक्ष की जिम्मेदारी बीजेपी ने युवा अभिषेक देबरॉय को दी है। उन्हें राजीव भट्टाचार्य की जगह पर नियुक्त किया गया है। अभिषेक देबरॉय गोमती जिले के माताबाड़ी विधानसभा क्षेत्र से मौजूदा विधायक हैं। 2023 के चुनाव में उन्होंने कांग्रेस उम्मीदवार को बड़े अंतर से हराकर विधानसभा में कदम रखा था। वे युवाओं और कार्यकर्ताओं के बीच काफी लोकप्रिय हैं।

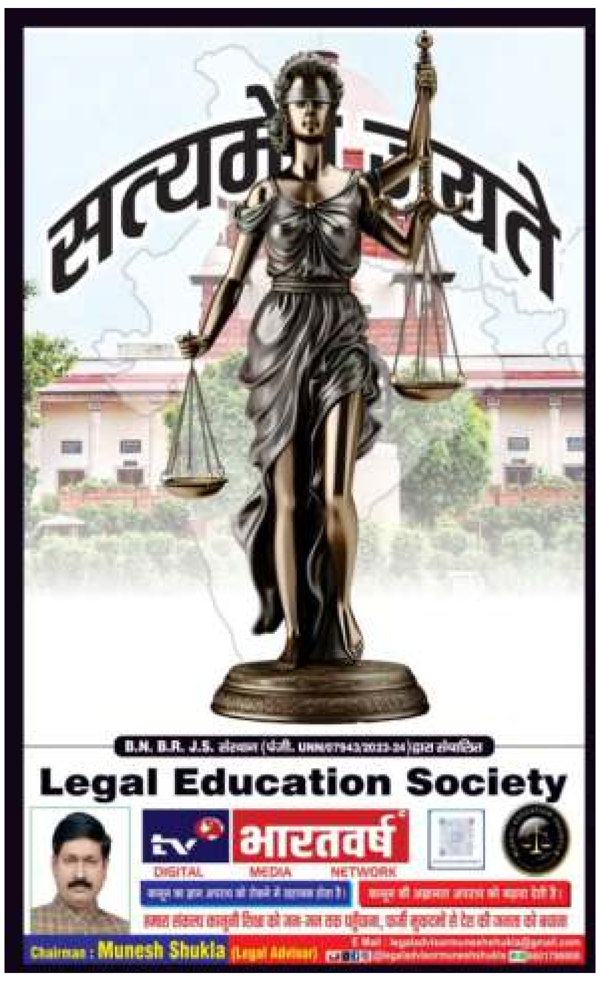

# परीक्षा के पेपर कहां प्रिंट होते हैं?

## उनकी सुरक्षा कैसे की जाती है?

देश की सबसे बड़ी मेडिकल प्रवेश परीक्षा नीट यूजी 2026 एक बार फिर विवादों में है. परीक्षा से पहले कथित पेपर लीक की खबरें और कई राज्यों में संदिग्ध गतिविधियों के सामने आने के बाद नेशनल टेस्टिंग एजेंसी ने परीक्षा रद्द करने का फैसला लिया है. इस पूरे मामले में लाखों छात्रों और अभिभावकों के मन में एक बड़ा सवाल खड़ा कर दिया है कि आखिर इतनी कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बावजूद नीट जैसी हाई प्रोफाइल परीक्षा के पेपर लीक कैसे हो जाते हैं और इन्हें आखिर कहां छापा जाता है. ऐसे में चलिए आज हम आपको बताते हैं कि नीट जैसी परीक्षाओं के पेपर कहां छापे जाते हैं और वहां से पेपर कैसे लीक हो जाते हैं . नीट जैसी राष्ट्रीय स्तर की परीक्षा का प्रश्न पत्र तैयार करना बहुत गोपनीय प्रक्रिया मानी जाती है. इसके लिए एनटीए देश भर के वरिष्ठ प्रोफेसर, साइंटिस्ट और सब्जेक्ट एक्सपर्ट्स की एक गुप्त टीम बनता है. यह सभी एक्सपर्ट्स सख्त गोपनीय नियमों के तहत काम करते हैं. पूरा पेपर एनसीईआरटी सिलेबस के आधार पर तैयार किया जाता है. पहले हजारों सवालों का एक बड़ा क्वेश्चन बैंक बनाया जाता है, जिसमें आसान, मीडियम और कठिन स्तर के प्रश्न शामिल रहते हैं. इसके बाद एक्सपर्ट टीम अंतिम प्रश्नों का चयन करती है, ताकि परीक्षा में संतुलन बना रहे. आमतौर पर करीब 30 प्रतिशत सवाल बेसिक थ्योरी और फार्मूला पर आधारित होते हैं. लगभग 50 प्रतिशत प्रश्न कॉन्सेप्ट और एप्लीकेशन आधारित रखे जाते हैं, जबकि 20 प्रतिशत सवाल कठिन और विश्लेषणात्मक स्तर के होते हैं. प्रश्न पत्र तैयार होने के बाद उसे हाई सिक्योरिटी प्रिंटिंग प्रेस में भेजा जाता है. एनटीए केवल उन्हीं प्रिंटिंग प्रेस को यह जिम्मेदारी देता है जो सुरक्षा ऑडिट और तकनीक जांच में पास होते हैं. पेपर छपाई वाले परिसर को पूरी तरह नो नेटवर्क जॉन बनाया जाता है. यहां मोबाइल फोन, कैमरा और किसी भी इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस की अनुमति नहीं होती है | प्रिंटिंग एरिया में जेमर्स लगाए जाते हैं ताकि कोई भी वायरलेस कम्युनिकेशन संभव न हो सके. प्रेस के हर हिस्से में 24 घंटे सीसीटीवी निगरानी रहती है और इसका बैकअप लंबे समय तक सुरक्षित रखा जाता है. हर गेट पर सुरक्षा गार्ड तैनात रहते हैं और किसी भी बाहरी व्यक्ति के प्रवेश पर पूरी तरह रोक होती है. नीट जैसे बड़े एग्जाम के प्रश्न पत्र की सुरक्षा के लिए कई हाईटेक तकनीक का इस्तेमाल किया जाता है. हर प्रश्न पत्र पर एक यूनिक कोड या वाटर मार्क लगाया जाता है. इससे किसी भी गड़बड़ी की स्थिति में यह पता लगाया जा सकता है कि पेपर किस सेंटर या कमरे से बाहर आया है. प्रश्न पत्र को सील करने के बाद जीपीएस ट्रैकिंग वाले वाहनों से स्ट्रांग रूम और परीक्षा केंद्रों तक पहुंचाया जाता है. हर मूवमेंट रिकॉर्ड होते हैं. पेपर रखने वाले बॉक्स, डिजिटल लॉक से बंद रहते हैं. इन्हें केवल तय समय पर ओटीपी और अधिकृत अधिकारियों की मौजूदगी में ही खोला जा सकता है. अगर सफाई के दौरान कोई कॉपी खराब हो जाती है तो उसे तुरंत नष्ट कर दिया जाता है, ताकि उसका दुरुपयोग न हो सके. इतनी सख्त सुरक्षा व्यवस्था के बावजूद पेपर लीक के आरोप सामने आने के बाद अब सबसे बड़ा सवाल यही है कि आखिर सेंध कहां लगी है. जांच एजेंसियों के शुरुआती अनुमान के अनुसार गड़बड़ी प्रिंटिंग प्रेस, पेपर सेटिंग प्रक्रिया या ट्रांसपोर्टेशन के किसी चरण में हुई हो सकती है. कुछ रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि कथित गैस पेपर परीक्षा से कई दिन पहले कुछ लोगों तक पहुंच चुका था.

### मेडिकल की पढ़ाई के लिए कौन सा देश सबसे बेहतर विकल्प?

मेडिकल यूनिवर्सिटी में एडमिशन के लिए आयोजित होने वाली एंट्रेंस एग्जाम परीक्षा नीट 2026 इस समय विवादों में चल रही है. दरअसल नीट पेपर लीक होने के बाद एनटीए ने परीक्षा को रद्द कर दिया है. वहीं एनटीए परीक्षा रद्द करने के साथ यह घोषणा भी की है कि नीट 2026 की परीक्षा फिर से कराई जाएगी. इसी के साथ सभी छात्रों की फीस लौटाने की घोषणा भी की गई है. वहीं सीबीआई पेपर लीक मामले की जांच कर रही है. आपको बता दें कि नीट की परीक्षा पास कर लाखों छात्र डॉक्टर बनने का सपना देखते हैं. लेकिन सीटों और हाईटेक कट ऑफ के कारण बड़ी संख्या में छात्रों को सरकारी मेडिकल कॉलेज नहीं मिल पाते हैं. ऐसे में कई छात्र प्राइवेट मेडिकल कॉलेज की महंगी फीस से बचने के लिए विदेश में एमबीबीएस करने का ऑप्शन चुनते हैं. ऐसे में चलिए आज हम आपको बताते हैं कि मेडिकल की पढ़ाई के लिए सबसे अच्छा देश कौन सा है और वहां इसके एग्जाम कैसे होते हैं. मेडिकल पढ़ाई के लिए सबसे अच्छा देश छात्र के बजट, करियर प्लान, भाषा और फ्यूचर की तैयारी पर निर्भर करता है. जो छात्र कम खर्च में पढ़ाई करना चाहते हैं उनके लिए रूस, फिलीपींस, कजाकिस्तान और किर्गिस्तान ऑप्शन हो सकते हैं. ग्लोबल करियर को ध्यान में रखने वाले छात्र ब्रिटेन, अमेरिका, जर्मनी या ऑस्ट्रेलिया जैसे देशों को प्राथमिकता देते हैं. रूस लंबे समय से भारतीय छात्रों के बीच एमबीबीएस के लिए लोकप्रिय देश रहा है. यहां मेडिकल कोर्स आम तौर पर 6 साल का होता है. कई यूनिवर्सिटी इंग्लिश मीडियम में पढ़ाई करवाती है और भारतीय छात्रों की संख्या भी काफी ज्यादा है. रूस में एमबीबीएस की कुल लागत 25 से 45 लाख रुपये तक मानी जाती है. यहां की कई यूनिवर्सिटी डब्ल्यूएचओ और एनएमसी की मान्यता प्राप्त है. पढ़ाई पूरी करने के बाद छात्रों को भारत में एफएमजीई नीट परीक्षा पास करनी होती है.

## ईशा सिंह ने गोल्ड पर 'निशाना' लगाकर बनाया वर्ल्ड रिकॉर्ड

## 15 मैचों में 65 छक्के लगाए

इस साल के आईपीएल में अब तक सबसे ज्यादा सिक्स वैभव सूर्यवंशी ने लगाए हैं। उन्होंने 15 मैचों में 65 छक्के लगाए हैं। उनकी टीम राजस्थान रॉयल्स अब आईपीएल के क्वालीफायर 2 में पहुंच गई है। यानी उनके पास अभी एक या फिर दो मौके और होंगे। उसमें भी अगर उनका बल्ला इस तरह से चला तो और भी बड़ा धमाका हो जाएगा। उन्होंने क्रिस गेल का एक सीजन में 59 सिक्स का रिकॉर्ड चकनाचूर कर दिया है। अब यहां से वे कितने और आगे जाएंगे, ये देखना जरूर दिलचस्प होगा।  इसके बाद अब दूसरे नंबर के बल्लेबाज की बात की जाए तो वे अभिषेक शर्मा हैं। उन्होंने 15 मैच खेलकर 43 सिक्स लगाए हैं। यानी वे वैभव से बहुत पीछे रह गए हैं। हालांकि सनराइजर्स हैदराबाद की टीम हार गई है, इसलिए उसका सफर यहीं पर समाप्त हो गया है। लिस्ट में तीसरे नंबर पर रजत पाटीदार हैं। जिन्होंने 14 मैच खेलकर 41 सिक्स लगाए हैं। आरसीबी फाइनल मे हैं, यानी उनके पास अपने सिक्स बढ़ाने का एक और मौका होगा। देखना कि क्या वे दूसरे नंबर पर फिनिश कर पाएंगे।  अब अगर इस सीजन सबसे ज्यादा चौकों की बात की जाए तो वहां पर साई सुदर्शन हैं। साई ने अब तक 15 मैचों में 65 चौके लगाए हैं। यहां विराट कोहली दूसरे नंबर पर हैं। उन्होंने 15 मैच खेलकर 64 चौके लगाने का काम किया है। ईशान किशन के नाम 60 चौके हैं। सिक्स के मामले में तो अब वैभव सूर्यवंशी ही विजेता होंगे, ये तो तय लग रहा है। लेकिन चौकों के मामले में कौन पहवैभव सूर्यवंशी अब उस मुकाम पर पहुंच गए हैं, जहां से उनसे आगे निकलना तो दूर की बात है, कोई उनकी बराबरी भी कर ले तो नया इतिहास बन जाए। इस साल के आईपीएल में उन्होंने अब तक सबसे ज्यादा छक्के लगा दिए हैं। वैभव ने सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ भी एक धमाकेदार पारी खेली, लेकिन वे अपना शतक पूरा करने से तीन रन से चूक गए। ले नंबर पर आएगा, ये जरूर दिलचस्प होगा।

## सबसे ज्यादा एलिमिनेटर हारने वाली टीम

पैट कमिंस की सनराइजर्स हैदराबाद बुधवार को आईपीएल 2026 के एलिमिनेटर मुकाबले में रियान पराग की राजस्थान रॉयल्स से हार कर बाहर होना पड़ा. यह मैच मुल्लांपुर के महाराजा यादविंद्र सिंह इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में खेला गया. सनराइजर्स का सफर इस टूर्नामेंट में यहीं खत्म हो गया. राजस्थान रॉयल्स की टीम क्वालिफायर 2 में गुजरात टाइटंस से फाइनल में जगह बनाने के लिए भिड़ेगी. आईपीएल में एलिमिनेटर की शुरुआत 2011 में प्लेऑफ फॉर्मेट के तहत हुई थी. पहला मुकाबला मुंबई इंडियंस और कोलकाता नाइट राइडर्स के बीच खेला गया था. तब से यह फॉर्मेट का अहम हिस्सा बना हुआ है. पिछले साल का एलिमिनेटर मैच गुजरात टाइटंस और मुंबई इंडियंस के बीच खेला गया था. MI ने GT को हराकर टूर्नामेंट से बाहर किया था. आईपीएल इतिहास में अब तक खेले गए 16 एलिमिनेटर मुकाबलों में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु, मुंबई इंडियंस, और कोलकाता नाइट राइडर्स ने पांच-पांच बार हिस्सा लिया है. सबसे ज्यादा 6 बार सनराइजर्स हैदराबाद इसे खेल चुकी है. रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने अपने सभी एलिमिनेटर मुकाबले आईपीएल 2015 के बाद खेले हैं. उन्होंने राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ अपना पहला एलिमिनेटर मैच जीता था. नौ साल बाद फिर से इसी टीम के खिलाफ उनका सफर हार के साथ खत्म हुआ. आईपीएल इतिहास में अब तक खेले गए 16 एलिमिनेटर मुकाबलों में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु, मुंबई इंडियंस, और कोलकाता नाइट राइडर्स ने पांच-पांच बार हिस्सा लिया है. सबसे ज्यादा 6 बार सनराइजर्स हैदराबाद इसे खेल चुकी है. रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने अपने सभी एलिमिनेटर मुकाबले आईपीएल 2015 के बाद खेले हैं. उन्होंने राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ अपना पहला एलिमिनेटर मैच जीता था. नौ साल बाद फिर से इसी टीम के खिलाफ उनका सफर हार के साथ खत्म हुआ.

## मोइ़ज़ कुआमे राफेल नडाल के बाद सबसे युवा खिलाड़ी

फ्रेंच ओपन 2026 में गुरुवार का दिन युवा खिलाड़ियों के नाम रहा, जहां फ्रांस के किशोर खिलाड़ी मोइ़ज़ कुआमे ने शानदार प्रदर्शन करते हुए इतिहास रच दिया हैं। पेरिस के रोलां गैरो परिसर में खेले गए मुकाबले में मोइ़ज़ कुआमे ने अदोल्फो डेनियल वालेहो को बेहद रोमांचक मुकाबले में हराकर तीसरे दौर में जगह बना ली हैं। बता दें कि मोइ़ज़ कुआमे फ्रेंच ओपन के तीसरे दौर में पहुंचने वाले राफेल नडाल के बाद सबसे युवा खिलाड़ी बन गए हैं। उनकी इस जीत ने पूरे फ्रांस में टेनिस प्रशंसकों के बीच नया उत्साह पैदा कर दिया हैं। कोर्ट सुजान लेंगलेन पर खेले गए इस मुकाबले में मोइ़ज़ कुआमे ने अदोल्फो डेनियल वालेहो को 6-3, 7-5, 3-6, 2-6 और 7-6 से हराया। मौजूद जानकारी के अनुसार यह मुकाबला लगभग 4 घंटे 56 मिनट तक चला और भीषण गर्मी के बीच दोनों खिलाड़ियों ने शानदार संघर्ष दिखाया। मैच के दौरान पेरिस में तेज गर्मी और उमस खिलाड़ियों के लिए बड़ी चुनौती बनी रही। पांचवें और निर्णायक सेट में मोइ़ज़ कुआमे एक समय 5-3 से पीछे चल रहे थे, लेकिन उन्होंने हार नहीं मानी और शानदार वापसी करते हुए मुकाबले को टाईब्रेकर तक पहुंचाया। टाईब्रेकर में भी मुकाबला बेहद रोमांचक रहा। कुआमे 8-7 से पीछे थे, लेकिन इसके बाद उन्होंने लगातार अंक हासिल किए और आखिर में शानदार ड्रॉप शॉट लगाकर जीत अपने नाम कर ली। वालेहो गेंद तक तो पहुंचे, लेकिन उसे नेट के पार नहीं भेज सके। जीत के बाद मोइ़ज़ कुआमे कोर्ट पर ही जमीन पर लेट गए और कुछ देर तक अपनी भावनाओं पर काबू नहीं रख सके। इसके बाद उन्होंने दर्शकों की ओर इशारा करते हुए अपनी खुशी जाहिर की। फ्रेंच दर्शक लगातार “मेर्सी मोइ़ज़” के नारे लगाते रहे, जिससे पूरा स्टेडियम गूंज उठा हैं। गौरतलब है कि मुकाबले के तुरंत बाद मोइ़ज़ कुआमे सीधे कोर्ट के किनारे रखे ठंडे पेय पदार्थों के बॉक्स के पास पहुंचे और खुद को ठंडा करने की कोशिश करते दिखाई दिए।

### घंटे के हिसाब से मिलेंगे हेल्पर

# शॉपिंग के बाद बैग उठाने की टेंशन खत्म!

दिल्ली का नया स्टार्टअप CarryMen लोगों के लिए शॉपिंग को आसान और आरामदायक बना रहा है. इस सेवा के जरिए ग्राहक सिर्फ ₹149 प्रति घंटे में पर्सनल शॉपिंग हेल्पर बुक कर सकते हैं, जो बैग उठाने, बाजार में मदद करने और मेट्रो या कैब तक सामान पहुंचाने में हेल्प करता है.

कई बार ऐसा होता है कि हम शॉपिंग करने तो बड़े उत्साह से निकलते हैं, लेकिन जैसे-जैसे खरीदारी बढ़ती जाती है, वैसे-वैसे हाथों में बैग्स का वजन भी बढ़ने लगता है. कुछ देर बाद हालत ऐसी हो जाती है कि शॉपिंग का मजा ही खत्म हो जाता है. भारी सामान उठाकर चलना, बार-बार रुकना और थकान महसूस होना हर किसी के साथ होता है. खासकर बुजुर्गों, महिलाओं और फैमिली के साथ शॉपिंग करने वालों के लिए यह परेशानी और भी ज्यादा बढ़ जाती है. ऐसे समय में अक्सर मन में यही ख्याल आता है- 'काश कोई हमारा सामान उठाने वाला होता, तो आराम से जमकर शॉपिंग कर पाते. अब इसी परेशानी का समाधान लेकर दिल्ली में एक नया स्टार्टअप आया है, जिसका नाम है CarryMen. यह ऐप लोगों को पर्सनल शॉपिंग हेल्पर की सुविधा देता है, ताकि आप बिना टेंशन के खुलकर शॉपिंग कर सकें और सामान उठाने की चिंता बिल्कुल न करें. दिल्ली का एक नया स्टार्टअप 'CarryMen' लोगों के शॉपिंग करने के तरीके को आसान और आरामदायक बनाने की कोशिश कर रहा है. यह स्टार्टअप उन लोगों के लिए खास सुविधा लेकर आया है, जिन्हें बाजार में खरीदारी करते समय सामान उठाने या चलने-फिरने में परेशानी होती है. CarryMen की मदद से अब लोग सिर्फ 149 रुपये प्रति घंटे में एक पर्सनल शॉपिंग हेल्पर बुक कर सकते हैं.

### भविष्य में मिलेंगी और भी सुविधाएं

CarryMen केवल एक घंटे की सेवा ही नहीं देता, बल्कि 4 घंटे का प्लान भी उपलब्ध है, जिसकी कीमत 399 रुपये रखी गई है. इसका मतलब है कि अगर किसी को लंबी शॉपिंग करनी है, तो वह कम कीमत में ज्यादा समय तक हेल्पर की मदद ले सकता है. यह सुविधा खासकर त्योहारों, शादी की खरीदारी या बड़े बाजारों में घूमने के दौरान काफी उपयोगी हो सकती है.

## आयुष्मान कार्ड से किन बीमारियों का पैसा नहीं मिलता?

बीमारी कभी बताकर नहीं आती. एक गंभीर बीमारी या अचानक अस्पताल में भर्ती होने की स्थिति में आम आदमी की सारी जमा पूंजी खत्म हो सकती है. इसी परेशानी को कम करने के लिए सरकार ने आयुष्मान भारत योजना शुरू की थी. इस योजना के तहत गरीब और जरूरतमंद परिवारों को हर साल 5 लाख रुपये तक का मुफ्त इलाज दिया जाता है. देश के करोड़ों लोग इस योजना का फायदा उठा रहे हैं. लेकिन बहुत से लोगों को यह गलतफहमी होती है.

---

### इंजीनियर की अनोखी सफलता की कहानी

# कुत्तों को घुमाकर हर महीने कमा रहा 5.7 लाख रुपये

न्यूयॉर्क शहर में रहने वाले 28 वर्षीय कोबी गुड हार्ट ने अपने कुत्तों के प्रति प्यार को एक शानदार साइड बिजनेस में बदल दिया है. वह पेशे से एक इंजीनियरिंग कंसल्टेंट हैं, लेकिन इसके साथ-साथ उन्होंने गुड हार्ट डॉग कंपनी नाम से प्रीमियम डॉग-वॉकिंग और पेट-केयर सेवा भी शुरू की है.

इस काम से वह हर महीने 6,000 डॉलर से ज्यादा कमाते हैं, जो भारतीय रुपये में लगभग 5 लाख 70 हजार रुपये से अधिक है. उनकी सालाना कमाई लाखों डॉलर तक पहुंच चुकी है. कोबी ने बताया कि उन्होंने इस बिजनेस को अपनी फुल-टाइम नौकरी के

हिसाब से तैयार किया है. वह सुबह जल्दी उठकर कुत्तों को घुमाने ले जाते हैं, फिर अपनी इंजीनियरिंग की नौकरी पर जाते हैं. लंच ब्रेक के दौरान भी समय निकालकर कुत्तों की देखभाल करते हैं और शाम को ऑफिस के बाद फिर से अपने ग्राहकों के पास जाते हैं. सप्ताहांत में भी वह इस काम में समय देते हैं.

### बेंगलुरु की ड्राइवर बनी मिसाल

# ऑटो नहीं, सपनों की सवारी चला रही महिला

आज के समय में महिलाएं हर क्षेत्र में आगे बढ़ रही हैं. पहले जहां कुछ काम सिर्फ पुरुषों के लिए माने जाते थे, वहीं अब महिलाएं भी उन कामों को पूरी मेहनत और आत्मविश्वास के साथ कर रही हैं.

सोशल मीडिया पर इन दिनों बेंगलुरु की एक महिला ऑटो ड्राइवर की कहानी तेजी से वायरल हो रही है. इस महिला ने अपने काम को लेकर जो बात कही, उसने लाखों लोगों का दिल जीत लिया. दरअसल, बेंगलुरु में रहने वाली श्रेयाशी सिन्हा, जो अमेज़न में काम करती हैं, उन्होंने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया.

इस वीडियो में एक महिला ऑटो चलाती हुई दिखाई दे रही है. श्रेयशी ने बताया कि एक दिन उन्होंने ऑटो

बुक किया था. जब ऑटो ड्राइवर उन्हें लेने आई, तब उसके फोन में कुछ दिक्कत हो रही थी.

इसलिए उसने श्रेयाशी से रास्ता बताने को कहा. रास्ते में दोनों के बीच बातचीत शुरू हो गई और फिर एक ऐसी बात सामने आई, जिसने लोगों को सोचने पर मजबूर कर दिया. श्रेयाशी ने महिला से पूछा कि उसने ऑटो चलाने का काम क्यों चुना. इस पर महिला ने मुस्कुराते हुए बहुत सरल लेकिन दिल छू लेने वाला जवाब दिया. उसने कहा, बर्तन मांजने से तो अच्छा है ऑटो चलाना, क्योंकि मुझे घूमना भी पसंद है. यहां समय की भी कोई पाबंदी नहीं है. जितना मन करे, जब मन करे ऑटो चला सकती हूं और कहीं भी जा सकती हूं.

---

# पूर्वांचल के खूनी गैंगवार की सबसे खौफनाक कहानी 6 साल बाद भी 'रक्तांचल' का क्रेज बरकरार

इस ताबड़तोड़ और सुपरहिट वेब सीरीज का नाम है 'रक्तांचल'। साल 2020 में रिलीज हुई यह सीरीज 1980 के दशक के उत्तर प्रदेश के पूर्वांचल विशेषकर जौनपुर और गाजीपुर में फैले माफिया राज और सरकारी ठेकों के इर्द-गिर्द बुनी गई है। कहानी मुख्य रूप से दो बाहुबलियों के बीच वर्चस्व की खूनी जंग को दिखाती है। एक तरफ है वसीम खान, जिसका पूरे इलाके के टेंडर्स और कोयला माफिया पर एकछत्र राज है। दूसरी तरफ एंट्री होती है विजय सिंह की, जो एक सीधा-साधा लड़का है लेकिन अपने पिता की बेरहमी से हुई हत्या का बदला लेने के लिए अपराध की दुनिया में कदम रखता है।

'रक्तांचल' का प्लॉट सिर्फ मार-धाड़ के बारे में नहीं है, बल्कि यह राजनीति, पुलिसिया तंत्र और अपराध के उस गठजोड़ को उजागर करता है जो पूरे राज्य को दहला कर रख देता है। 'रक्तांचल' को एक कल्ट सीरीज बनाने में इसके किरदारों का सबसे बड़ा योगदान रहा है। मुख्य भूमिका में क्रांति प्रकाश झा ने 'विजय सिंह' के किरदार को बेहद शिद्दत और आक्रामकता के साथ पर्दे पर उतारा है, वहीं क्रूर माफिया 'वसीम खान' के रूप में निकितिन धीर ने अपनी दमदार कद-काठी और खौफनाक अभिनय से दर्शकों के दिलों में डर पैदा कर दिया। इनके अलावा सौंदर्या शर्मा, रोनित रॉय, आशीष विद्यार्थी, प्रमोद पाठक और माही गिल जैसे मंझे हुए कलाकारों ने भी सीरीज के दोनों सीजन्स में अपने अभिनय से चार चांद लगा दिए। इस हाई-ऑक्टेन क्राइम ड्रामा को बेहतरीन ढंग से डायरेक्ट करने का श्रेय निर्देशक रितम श्रीवास्तव को जाता है। रितम ने 80 के दशक के उत्तर प्रदेश के माहौल, वहाँ की बोली और किरदारों के रवैये को बेहद बारीकी और प्रामाणिकता के साथ स्क्रीन पर पेश किया है। सस्पेंस और थ्रिल से भरपूर इस सीरीज के अब तक कुल 2 सीजन आ चुके हैं। पहले सीजन में जहाँ विजय और वसीम की आपसी दुश्मनी को दिखाया गया, वहीं दूसरे सीजन में कहानी में राजनीति और सत्ता का ऐसा खेल शामिल हुआ जिसने सस्पेंस को दोगुना कर दिया। दोनों सीजन्स को मिलाकर इसमें कुल 18 एपिसोड्स सीजन 1 में 9 और सीजन 2 में 9 हैं। सीरीज का क्लाइमेक्स बेहद लाजवाब और अप्रत्याशित मोड़ों से भरा हुआ है, जहां सत्ता के गलियारों में बैठे असली सतरंज के खिलाड़ियों का पर्दाफाश होता है। दमदार कहानी और जबर्दस्त एक्शन के दम पर ही IMDb पर 'रक्तांचल' की रेटिंग 6.9/10 है, जो इसके कल्ट स्टेटस को बयां करती है। अगर आप भी पुरानी यादों को ताजा करते हुए एक बेहतरीन और रोंगटे खड़े कर देने वाला क्राइम ड्रामा देखना चाहते हैं तो 'रक्तांचल' आपके लिए एक परफेक्ट चॉइस है। इसके दोनों ही सीजन ओटीटी प्लेटफॉर्म एमएक्स प्लेयर पर बिल्कुल मुफ्त में देखने के लिए उपलब्ध हैं। इसके अलावा आप इसे altbalaji पर भी देख सकते हैं। वीकेंड पर बिंज-वॉच करने के  आज से लगभग 6 साल पहले डिजिटल स्क्रीन पर एक ऐसी ही क्राइम-थ्रिलर सीरीज ने दस्तक दी थी, जिसने पूर्वांचल के गैंगवार की एक ऐसी खूंखार और बेरहम तस्वीर पेश की कि लोग दांतों तले उंगलियां दबाने पर मजबूर हो गए। इस सीरीज़ की सबसे बड़ी खासियत इसका तेज रफ्तार स्क्रीनप्ले, बेहतरीन बैकग्राउंड स्कोर और हर मोड़ पर मिलने वाला जबर्दस्त सस्पेंस था। इसने न सिर्फ दर्शकों को अंत तक बांधकर रखा, बल्कि देश में रॉ और रियलिस्टिक एक्शन जॉनर को एक नए मुकाम पर पहुंचा दिया।लिए यह एक बेहतरीन और पैसा वसूल एक्शन-थ्रिलर सीरीज है।

# लखनऊ में भाजपा युवा मोर्चा नेता की हत्या, सिगरेट विवाद में सिर कूचकर मार डाला

**लखनऊ में भाजपा युवा मोर्चा सदस्य शिवम सिंह की सिगरेट विवाद के बाद बाइक सवार युवकों ने ईंट-पत्थरों से हमला कर हत्या कर दी। गंभीर घायल शिवम की इलाज के दौरान मौत हो गई। परिवार ने दोस्तों और ड्राइवर पर साजिश का आरोप लगाया।**

लखनऊ में अयोध्या के भाजपा नेता की हत्या कर दी गई। सिगरेट न देने पर नाराज होकर बाइक सवार 3 युवकों ने मारपीट की और फरार हो गए। कुछ देर बाद दोबारा लौटे तो ईंट-पत्थरों से हमला कर सिर कूच दिया। साथ आए दोस्त भाजपा नेता को सड़क किनारे छोड़कर फरार हो गए। गंभीर हालत में मिले भाजपा नेता ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। परिवार ने दोस्तों और ड्राइवर पर साजिश करने का आरोप लगाया है। घटना विभूति खंड थाना क्षेत्र के जलवा क्लब के बाहर की है। भाजपा नेता की पहचान 28 साल के शिवम सिंह के रूप में हुई। वह अयोध्या में रामनगर धौरहरा गांव के रहने वाले थे। भाजपा युवा मोर्चा के जिला कमेटी सदस्य थे। इंस्पेक्टर विभूतिखंड अमर सिंह ने बताया, शिवम सिंह 25 मई को अपने दोस्तों नीलेश और जीशान के साथ पार्टी करने लखनऊ आए थे। देर रात तक सभी ने विभूति खंड स्थित जलवा क्लब में पार्टी की। 26 मई सुबह करीब तीन बजे सभी क्लब से बाहर निकले। क्लब के बाहर बाइक सवार तीन युवकों ने शिवम से सिगरेट मांगी। शिवम ने एक बार उन्हें सिगरेट दे दी। तीनों युवकों ने दोबारा सिगरेट मांगी तो शिवम ने देने से मना कर दिया। इस पर तीनों युवकों ने उनकी पिटाई कर दी और बाइक से भाग गए। शिवम ने अपने परिचित आशीष को कॉल करके झगड़े की जानकारी दी। आशीष ने उनसे विवाद खत्म करके घर जाने के लिए कहा। इसके बाद शिवम अपने दोस्तों के साथ घर जाने लगे। रास्ते में कठौता झील रोड पर एलपीएस स्कूल के पास बाइक सवार तीनों युवक दोबारा आ गए। उन्होंने शिवम की कार पर ईंट-पत्थर फेंकने शुरू कर दिए। इससे उन्हें कार रोकनी पड़ी। शिवम कार से बाहर निकले। युवकों ने उन पर ईंट-पत्थर से हमला किया। ईंट लगने से उनका सिर फट गया। वह खून से लथपथ होकर सड़क पर गिर गए। तीनों हमलावर मौके से भाग गए। शिवम के दोस्त भी उन्हें सड़क पर छोड़ चले गए। 26 मई को तड़के करीब 4 बजे शिवम को खून से लथपथ देखकर एक राहगीर ने पुलिस को कॉल किया। पुलिस शिवम को डॉ. राममनोहर लोहिया अस्पताल ले गई। स्थिति गंभीर होने के कारण उन्हें गोमती नगर के KNS अस्पताल में भर्ती कराया गया। उनका आईसीयू में इलाज चल रहा था। 27 मई की रात करीब 12 बजे शिवम की मौत हो गई। पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। परिजनों की शिकायत पर 27 मई को दोपहर में अज्ञात के खिलाफ हत्या के प्रयास का मुकदमा दर्ज हुआ था। शिवम की मौत के बाद अब हत्या में बदल जाएगा। शिवम सिंह के छोटे भाई सौरभ सिंह ने बताया कि 26 मई सुबह 4 हमें घटना की जानकारी मिली। सुबह करीब 7 बजे के आसपास हम लोग लोहिया अस्पताल पहुंचे। शिवम की हालत ठीक नहीं थी, तो उनको प्राइवेट हॉस्पिटल पर लेकर गए। प्राइवेट हॉस्पिटल में जब एडमिट कराया गया, तब उनका इलाज चालू हुआ। इसके बाद हम लोगों ने पुलिस को पूरी बात बताई। सौरभ ने बताया कि अनजान व्यक्ति ने मुझे फोन किया था और 112 को सूचना दी गई थी। शिवम के दोस्तों ने मदद और सहयोग नहीं किया। लगता है कि उनके दोस्तों की यह पूरी साजिश है। इसमें ड्राइवर भी शामिल है।

## लखनऊ में सुबह से चल रही हवा

**टीवी भारतवर्ष लखनऊ**

लखनऊ में आज मौसम साफ रहने के साथ बादलों की आवाजाही भी देखने को मिलेगी। सुबह से तेज धूप निकलने के साथ हवा चल रही है। शाम को बादलों की गरज-चमक के साथ 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवा के झोंके चलेंगे। सुबह से करीब 30 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से ठंडी पूर्वी हवा का असर जारी है। मौसम विभाग का अनुमान है कि आज लखनऊ का अधिकतम तापमान 38 डिग्री और न्यूनतम तापमान 27 डिग्री रहेगा। यह बीते 3-4 दिनों के औसत तापमान से 3-4 डिग्री कम होगा। लखनऊ में बुधवार को अधिकतम तापमान 40 डिग्री रहा। यह सामान्य से 0.1 डिग्री अधिक रहा। न्यूनतम तापमान 28 डिग्री रहा। यह सामान्य से 2.5 डिग्री अधिक रहा। अधिकतम आर्द्रता 68 फीसदी और न्यूनतम आर्द्रता 38 फीसदी दर्ज की गई है। मौसम वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह ने बताया कि फिलहाल भीषण गर्मी के दौर से राहत मिलेगी। अब प्रदेश में 28 मई से मौसम बदलने वाला है। तेज आंधी-तूफान, बारिश और कहीं-कहीं ओलावृष्टि होने की संभावना है। मौसम विभाग के अनुसार, प्रदेश के मध्य भाग में बने चक्रवाती सिस्टम और पश्चिमी विक्षोभ के असर से बारिश का दौर शुरू होगा। इस वजह से तापमान में 6 से 8 डिग्री सेल्सियस तक गिरावट आ सकती है और 29 मई से लोगों को भीषण गर्मी और लू से राहत मिलने की उम्मीद है। हालांकि, 28 मई तक प्रदेश के दक्षिणी हिस्सों में गर्म पछुआ हवाएं चलती रहेंगी, जिससे वहां लू और भीषण गर्मी का असर बना रह सकता है।

# लखनऊ में बकरीद पर 450 करोड़ का कारोबार

**टीवी भारतवर्ष लखनऊ**

ईद-उल-अजहा (बकरीद) लखनऊ में अकीदत के साथ मनाई जा रही है। इस खास मौके पर लोगों ने जमकर जानवरों की खरीदारी की। बकरीद का चांद नजर आने से लेकर बुधवार देर रात तक बकरों की मंडी सजी रही। अरबी कैलेंडर के अनुसार, 1 जिल-हिज्जा को चांद दिखा जिसके बाद लोगों ने बकरों की खरीदारी शुरू कर दी थी, जो कि 9 जिल हिज्जा देर रात तक जारी रही। इस बकरीद लगभग 450 करोड़ का व्यापार हुआ। शनिवार देर रात तक बकरा मंडी के साथ शहर के बाजार भी गुलजार रहे। लोगों ने देर रात तक जमकर खरीदारी की। कुर्बानी के लिए इस बार करीब 450 करोड़ से अधिक दुंबा, भेड़, बकरे बिके। बकरों के साथ कपड़े, ड्राई फ्रूट, क्रॉकरी और अन्य चीजें शामिल हैं। देर रात तक मंडियों में खरीदारी होने के साथ ही अमीनाबाद, मौलवीगंज, चौक, अकबरी गेट और नक्खास के बाजारों में भी बकरीद की रौनक छाई रही। ईद-उल-अजहा पर मुसलमान बकरा, दुंबा और भेड़ की कुर्बानी करते हैं । इन छोटे जानवरों पर एक जानवर पर एक ही व्यक्ति के नाम से कुर्बानी होती है। इसके अलावा, इस्लाम में बड़े जानवरों की कुर्बानी की भी इजाजत है। इसमें सात लोगों के हिस्सा लेने की सहूलियत दी गई है। मुसलमान बड़े जानवरों में भैंसा पर सात लोग मिलकर कुर्बानी करते हैं। आईआईएम रोड स्थित दुबग्गा सबसे बड़ी मंडी लगी थी। इसके अलावा नींबू पार्क, मेहंदी घाट, खदरा और के अलावा शहर के कुछ

अलग- अलग हिस्सों में बकरे बिक रहे थे। कुरैश वेलफेयर फाउंडेशन के महासचिव शहाबुद्दीन ने बताया कि 9 दिनों करीब 400 करोड़ रुपए से ज्यादा के बकरे बिक गए। वहीं, बड़े जानवरों में लगभग 1 लाख लोगों ने कुर्बानी के हिस्से लिए हैं। बड़े जानवर की कीमत लगभग 35000 रुपए तक है, इस हिसाब से 50 करोड़ के पड़वों का कारोबार हुआ। बड़ी तादाद में बकरा व्यापारी अपने बकरे मंडी के बाहर सड़क पर घूम-घूमकर भी बेचते रहे हैं। बाजार में 20 हजार से 35 हजार तक औसत कीमत के बकरों की बिक्री ज्यादा हुई है।

## लखनऊ में निष्क्रांत जमीन का फर्जी बैनामा

**टीवी भारतवर्ष लखनऊ**

लखनऊ के इंदिरानगर थाना क्षेत्र में बीकेटी तहसील की निष्क्रांत घोषित जमीन के फर्जी बैनामे का बड़ा मामला सामने आया है। आरोप है कि वर्ष 2005 में सरकारी घोषित की जा चुकी जमीन पर करीब 17 साल तक फर्जी दस्तावेज तैयार कर खरीद-फरोख्त की जाती रही। मामले में रतन लालवानी समेत तीन लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। दलित परिवार की शिकायत पर दर्ज FIR में आरोप लगाया गया है कि निष्क्रांत घोषित भूमि के दस्तावेजों में कूटरचना कर खसरा संख्या बदली गई। नए बैनामे तैयार कर जमीन की बिक्री की गई। शिकायतकर्ताओं का कहना है कि यह पूरा खेल सुनियोजित षड्यंत्र के तहत किया गया। निष्क्रांत जमीन वह होती है, जिसे विभाजन के समय लोग छोड़कर पाकिस्तान गए थे। पीड़ित परिवार का आरोप है कि विपक्षी पक्ष जमीन पर अवैध कब्जा करने का प्रयास कर रहा था। विरोध करने पर जातिसूचक गालियां दी गईं और जान से मारने की धमकी भी दी गई। इंदिरानगर थाने में दर्ज एफआईआर में कूटरचना, धोखाधड़ी, धमकी और एससी-एसटी एक्ट की धाराएं लगाई गई हैं। यह कार्रवाई डीसीपी पूर्वी के आदेश पर की गई। मामले में एफआईआर दर्ज हुए करीब एक माह बीतने के बावजूद अब तक किसी आरोपी की गिरफ्तारी नहीं हुई है। इसे लेकर पीड़ित परिवार ने पुलिस कार्रवाई पर सवाल उठाए हैं।

## जनेश्वर मिश्र पार्क में युवक की पिटाई, गार्ड ने जमीन पर गिराकर घसीटा

**टीवी भारतवर्ष लखनऊ**

लखनऊ के जनेश्वर मिश्र पार्क में बुधवार को एक युवक के साथ मारपीट की गई। आरोप है कि पार्क में पत्नी और बच्चे के साथ घूमने आए युवक की गार्ड ने जूते से पिटाई कर दी। गार्ड ने युवक को जमीन पर गिराकर कॉलर पकड़ते हुए घसीटा। जिसका वीडियो सामना आया है। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, परिवार टिकट लेकर पार्क में दाखिल हुआ था। इसी दौरान गेट नंबर-2 पर टिकट चेकिंग को लेकर युवक और गार्ड के बीच कहासुनी हो गई। आरोप है कि विवाद बढ़ने पर गार्ड ने अभद्र भाषा का इस्तेमाल किया और फिर युवक पर हमला कर दिया। वायरल वीडियो में गार्ड युवक को जमीन पर गिराकर घसीटता दिखाई दे रहा है। युवक की पत्नी और बच्चा मौके पर चीखते-चिल्लाते रहे, लेकिन काफी देर तक कोई बीच-बचाव के लिए आगे नहीं आया। वहां मौजूद लोगों ने घटना का वीडियो बना लिया। यह भी आरोप है कि मारपीट के बाद गार्डों ने युवक को जल्दबाजी में ई-रिक्शा में बैठाकर वहां से भेज दिया, ताकि मामला ज्यादा न बढ़ सके। फिलहाल युवक की पहचान सार्वजनिक नहीं हो सकी है। पुलिस के मुताबिक, शुरुआती जांच में पता चला है कि पति-पत्नी आपसी विवाद करते हुए पार्क पहुंचे थे। विवाद के दौरान महिला वापस चली गई, जबकि युवक कथित तौर पर शराब के नशे में सड़क पर लेट गया था। ड्यूटी पर मौजूद गार्ड उसे वहां से हटाने का प्रयास कर रहा था, जिसका वीडियो वायरल हुआ।

# स्वच्छ लखनऊ की ओर बड़ा कदम, भैंसोरा में आधुनिक कूड़ा निस्तारण प्लांट का उद्घाटन

लखनऊ को स्वच्छ और आधुनिक बनाने की दिशा में नगर निगम ने एक और बड़ा कदम उठाया है। बुधवार को नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री एके शर्मा और मेयर सुषमा खर्कवाल ने जोन-4 के भैंसोरा में बने FCTS प्लांट का उद्घाटन किया। करीब 9 करोड़ रुपए की लागत से बने इस प्लांट में रोजाना 150 टन कूड़े का निस्तारण किया जा सकेगा। इसके साथ ही यहां पर इलेक्ट्रिक कूड़ा गाड़ियां भी चार्ज होंगी। मंत्री एके शर्मा ने कहा कि लखनऊ को स्वच्छ, हरित और आधुनिक शहर बनाने के लिए नगर निगम लगातार काम कर रहा है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि शहर में कहीं भी कूड़े के ढेर नजर न आएं और रोजाना कचरे का सही निस्तारण हो। शहर में पानी निकासी, नाली और जलभराव की समस्याओं को दूर करने के लिए भी तेजी से काम हो रहा है। फैजुल्लागंज में लंबे समय से लंबित नाले का निर्माण पूरा हो चुका है, जबकि किला मोहम्मदी नाले का काम जल्द शुरू होगा। वहीं, मेयर सुषमा खर्कवाल ने कहा कि शहर को इस बार स्वच्छता रैंकिंग में और बेहतर करना है। इसके लिए हम सब काम कर रहे हैं। इसमें नगर निगम के सफाई कर्मचारियों से लेकर आम नागरिकों की भी सराहनीय

भूमिका है। नगर निगम की ओर से शहर के 8 जोन में कुल 51 जगहों पर PCTS और FCTS प्लांट बनाए जा रहे हैं। इनमें 24 जगहों पर काम पूरा हो चुका है, 15 स्थानों पर निर्माण जारी है और बाकी 12 जगहों पर जल्द काम शुरू होगा। भैंसोरा प्लांट शुरू होने से भरवारा, मल्हौर, खरगापुर और गोमती नगर विस्तार क्षेत्र में कूड़ा संग्रहण और निस्तारण व्यवस्था और बेहतर होगी। इससे आसपास के गार्बेज वल्नरेबल पॉइंट्स भी खत्म किए जा सकेंगे।लगभग 2 एकड़ क्षेत्र में बनाए गए परिसर में 150 वाहनों के लिए चार्जिंग पॉइंट की व्यवस्था की गई है, जिससे इलेक्ट्रिक वाहनों के संचालन को बढ़ावा मिलेगा। इसके अतिरिक्त परिसर में हरियाली एवं ग्रीन बेल्ट के विकास पर भी विशेष ध्यान दिया गया है। यहां अब तक लगभग 4000 पौधों का रोपण किया जा चुका है।

# उन्नाव में आंधी-तूफान और ओलावृष्टि का ऑरेंज अलर्ट, प्रशासन ने जारी की एडवाइजरी

टीवी भारतवर्ष उन्नाव

उन्नाव में भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (IMD) ने गुरुवार से 30 मई तक तेज आंधी-तूफान, ओलावृष्टि और आकाशीय बिजली गिरने की संभावना को देखते हुए ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। मौसम विभाग की चेतावनी के बाद जिला प्रशासन पूरी तरह अलर्ट मोड में आ गया है। जिलाधिकारी घनश्याम मीणा ने जनपदवासियों से खराब मौसम के दौरान अतिरिक्त सतर्कता बरतने और प्रशासन द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का पालन करने की अपील की है।जिलाधिकारी की ओर से जारी जनहित संदेश में कहा गया है कि खराब मौसम के दौरान लोग अनावश्यक रूप से घरों से बाहर न निकलें। तेज आंधी और तूफान के समय घरों की खिड़कियां और दरवाजे अच्छी तरह बंद रखें। साथ ही, घरों की छतों और खुले स्थानों पर रखी हल्की वस्तुओं को सुरक्षित स्थान पर बांधकर रखें, ताकि तेज हवा के कारण किसी प्रकार की दुर्घटना न हो।प्रशासन ने लोगों को पेड़ों, बिजली के खंभों, होर्डिंग्स और कच्चे निर्माणों से दूर रहने की सलाह दी है। यदि किसी का मकान जर्जर या पुराना है, तो खराब मौसम के दौरान तुरंत किसी सुरक्षित और मजबूत भवन में शरण लेने को कहा गया है। अधिकारियों ने बताया कि तेज हवाओं और बारिश के दौरान कमजोर निर्माण ढहने का खतरा बना रहता है।आकाशीय बिजली गिरने की संभावना को देखते हुए विशेष सावधानी बरतने के निर्देश भी जारी किए गए हैं। लोगों से कहा गया है कि बिजली चमकने के दौरान खुले मैदान, खेत, तालाब, नदी और ऊंचे स्थानों से दूर रहें। खराब मौसम में मोबाइल फोन चार्जिंग, विद्युत उपकरणों और धातु की वस्तुओं का उपयोग करने से बचने की सलाह दी गई है। प्रशासन ने यह भी कहा है कि किसी भी परिस्थिति में पेड़ों के नीचे खड़े न हों, क्योंकि आकाशीय बिजली गिरने की सबसे ज्यादा आशंका वहीं रहती है।ओलावृष्टि की चेतावनी को देखते हुए किसानों और पशुपालकों को भी सतर्क किया गया है। किसानों से कटी हुई फसल और कृषि उपकरणों को सुरक्षित स्थान पर रखने की अपील की गई है। पशुपालकों को निर्देश दिए गए हैं कि वे अपने पशुओं को खुले स्थानों के बजाय सुरक्षित और मजबूत शेड में रखें। इसके अलावा, टीन शेड और अस्थायी ढांचों को मजबूती से बांधने की सलाह भी दी गई है।प्रशासन ने बच्चों, बुजुर्गों, गर्भवती महिलाओं और बीमार व्यक्तियों का विशेष ध्यान रखने को कहा है। मौसम खराब होने पर उन्हें घरों के अंदर सुरक्षित रखने की सलाह दी गई है। साथ ही, लोगों से अफवाहों पर ध्यान न देने और केवल मौसम विभाग तथा प्रशासन की आधिकारिक सूचनाओं पर ही भरोसा करने की अपील की गई है।आपात स्थिति में सहायता के लिए प्रशासन ने हेल्पलाइन नंबर भी जारी किए हैं। स्वास्थ्य सेवा के लिए 108, पुलिस सहायता के लिए 112, अग्निशमन सेवा के लिए 101 और आपदा सहायता के लिए 1077 नंबर पर संपर्क किया जा सकता है। जिला प्रशासन ने कहा है कि किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए सभी विभागों को अलर्ट पर रखा गया है।

## उन्नाव में शारदा नहर में डूबा युवक

टीवी भारतवर्ष उन्नाव

उन्नाव के माखी थाना क्षेत्र में शारदा नहर में नहाने गए एक युवक की डूबने से मौत हो गई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया है। मृतक की पहचान राम सिंह खेड़ा मजरा निवासी विवेक सिंह (38) के रूप में हुई है। विवेक सिंह रग्घाखेड़ा और दोस्तीनगर पुलिया के बीच स्थित शारदा नहर में नहाने गया था। नहाते समय वह अचानक गहरे पानी में चला गया और डूबने लगा। आसपास मौजूद लोगों ने उसे बचाने का प्रयास किया, लेकिन तब तक काफी देर हो चुकी थी। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय लोगों की भीड़ मौके पर जुट गई। माखी थाना पुलिस भी मौके पर पहुंची और ग्रामीणों की मदद से युवक को नहर से बाहर निकलवाया। हालांकि, तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए उन्नाव जिला अस्पताल मोर्चरी भेज दिया। मृतक विवेक सिंह अपने परिवार में दो भाइयों और एक बहन में सबसे छोटा था। परिजनों ने बताया कि उसकी पत्नी का पहले ही निधन हो चुका है। उसके परिवार में अब उसकी पांच वर्षीय बेटी नव्या ही बची है। पिता की मौत के बाद बच्ची का रो-रोकर बुरा हाल है, और परिवार के अन्य सदस्य भी गहरे सदमे में हैं। पोस्टमार्टम हाउस पहुंचे परिजनों ने बताया कि विवेक परिवार का एकमात्र सहारा था। माखी थानाध्यक्ष योगेश सिंह ने पुष्टि की है कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है और मामले में आगे की आवश्यक कार्रवाई की जा रही है।

## उन्नाव में खेले गए फाइनल में लखनऊ कमिश्नरेट की शानदार जीत

टीवी भारतवर्ष हाथरस

उन्नाव के राजधानी मार्ग स्थित डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी मिनी स्टेडियम, सरैया में बुधवार रात 29वीं अंतर जनपदीय जोनल पुलिस फुटबॉल प्रतियोगिता लखनऊ जोन-2026 का फाइनल मुकाबला खेला गया। इस रोमांचक मैच में लखनऊ कमिश्नरेट ने उन्नाव को 3-0 से हराकर खिताब अपने नाम कर लिया। वहीं, महिला वर्ग में उन्नाव की टीम को वॉकओवर के आधार पर विजेता घोषित किया गया। फाइनल मुकाबले में लखनऊ कमिश्नरेट की टीम ने शुरुआत से ही आक्रामक खेल का प्रदर्शन किया। तेज पासिंग और बेहतर तालमेल के दम पर टीम ने लगातार तीन गोल दागकर मैच पर अपनी पकड़ मजबूत कर ली। उन्नाव की टीम ने वापसी के कई प्रयास किए, लेकिन लखनऊ के मजबूत डिफेंस और प्रभावी रणनीति के सामने वे सफल नहीं हो सके। प्रतियोगिता के समापन पर आयोजित पुरस्कार वितरण समारोह में जिलाधिकारी घनश्याम मीणा, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जय प्रकाश सिंह, अपर पुलिस अधीक्षक अखिलेश सिंह और क्षेत्राधिकारी लाइन विनी सिंह उपस्थित रहे। अधिकारियों ने विजेता टीम लखनऊ कमिश्नरेट को ट्रॉफी और मेडल प्रदान कर सम्मानित किया, जबकि उपविजेता उन्नाव टीम के खिलाड़ियों को भी मेडल देकर उनका उत्साहवर्धन किया। अधिकारियों ने खिलाड़ियों की सराहना करते हुए कहा कि खेल प्रतियोगिताएं पुलिस कर्मियों में अनुशासन, टीम भावना और शारीरिक दक्षता को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। उन्होंने सभी प्रतिभागी खिलाड़ियों को भविष्य में भी बेहतर प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित किया। इस प्रतियोगिता में लखनऊ कमिश्नरेट, उन्नाव, सीतापुर, रायबरेली, सुल्तानपुर, अंबेडकर नगर और अयोध्या की टीमों ने भाग लिया था। आयोजन के सफल समापन पर अधिकारियों और खिलाड़ियों ने आयोजन समिति की सराहना की।

## उन्नाव में तीन चरणों में हुई कबूतरबाजी प्रतियोगिता, युवाओं ने लिया बढ़-चढ़कर हिस्सा

टीवी भारतवर्ष उन्नाव

उन्नाव के शुक्लागंज में "बेस्ट स्टार न्यू पिजन क्लब" द्वारा आयोजित तीन चरणों वाली कबूतरबाजी प्रतियोगिता संपन्न हो गई है। इस प्रतियोगिता में शुक्लागंज और आसपास के क्षेत्रों से बड़ी संख्या में कबूतरबाजों ने हिस्सा लिया। प्रतियोगिता का आयोजन 3, 10 और 17 मई 2026 को तीन चरणों में किया गया था। सभी मुकाबले रविवार सुबह 6 बजे से 10 बजे तक हुए। आयोजकों ने बताया कि कबूतरों की उड़ान, वापसी और समय सीमा के लिए विशेष नियम बनाए गए थे, ताकि प्रतियोगिता निष्पक्ष और पारदर्शी रहे। पहले चरण में कुल 7 कबूतरों ने उड़ान भरी। 3 मई को हुए इस मुकाबले में निहाल ने पहला स्थान प्राप्त किया, जबकि सौरभ दूसरे और दानिश तीसरे स्थान पर रहे। इस दौरान कबूतरों की लंबी उड़ान देखने के लिए बड़ी संख्या में दर्शक मौजूद थे।दूसरे चरण की प्रतियोगिता में रेहान ने पहला स्थान हासिल किया। यसार दूसरे और निहाल तीसरे स्थान पर रहे। क्लब सदस्यों ने लगातार अच्छा प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों की सराहना की। आयोजकों ने बताया कि निष्पक्षता सुनिश्चित करने के लिए सभी कबूतरों पर गहरा रंग लगाना अनिवार्य था, जिससे उनकी पहचान आसानी से हो सके। कबूतरों की उड़ान और लैंडिंग के वीडियो सोशल मीडिया ग्रुप में साझा किए गए। प्रतिभागियों को हर 30 मिनट पर अपनी स्थिति की जानकारी भी देनी होती थी। क्लब के पदाधिकारियों ने कहा कि ऐसी प्रतियोगिताएं पारंपरिक कबूतरबाजी संस्कृति को जीवित रखती हैं और युवाओं को इससे जोड़ती हैं। आयोजन को सफल बनाने में मोहम्मद इरफान, प्रदीप तिवारी, वसीक, नौशाद सहित कई सदस्यों ने सहयोग किया। समापन पर विजेताओं को बधाई दी गई और भविष्य में बड़े स्तर पर आयोजन करने की बात कही गई।

## माता भुवनेश्वरी सिद्धिपीठ के लिए 1.10 करोड़ स्वीकृत

टीवी भारतवर्ष हाथरस

उत्तर प्रदेश पर्यटन विभाग ने लोनारपुर स्थित माता भुवनेश्वरी सिद्धिपीठ के जीर्णोद्धार और सौंदर्यीकरण के लिए लगभग 1.10 करोड़ रुपये स्वीकृत किए हैं। विभाग ने इस परियोजना के लिए पहली किस्त के रूप में 85.35 लाख रुपए जारी कर दिए हैं। इस पहल से सिद्धिपीठ को एक प्रमुख पर्यटन स्थल के रूप में विकसित किया जाएगा। क्षेत्रीय विधायक श्रीकांत कटियार के प्रयासों के बाद यह धनराशि स्वीकृत की गई है। पिछले वर्ष सिद्धिपीठ में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान, पीठाधीश्वर दंडी स्वामी निरंजन आश्रम महाराज, आचार्य शिवम द्विवेदी, आचार्य अरविंद द्विवेदी, आचार्य विनय कृष्ण द्विवेदी और अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने विधायक से सिद्धिपीठ के जीर्णोद्धार और सौंदर्यीकरण की मांग की थी। जनभावना का सम्मान करते हुए, विधायक श्रीकांत कटियार ने गत वर्ष अप्रैल माह में पर्यटन विभाग को पत्र लिखकर सिद्धिपीठ को पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने का अनुमोदन किया था। स्वीकृत धनराशि से सिद्धिपीठ में एक बड़ा हॉल, कमरे, शौचालय, प्रकाश व्यवस्था, मार्ग व्यवस्था, श्रद्धालुओं के बैठने के लिए कुर्सियां और पौधरोपण कर सौंदर्यीकरण किया जाएगा। उत्तर प्रदेश पर्यटन विभाग द्वारा माता भुवनेश्वरी सिद्धिपीठ के जीर्णोद्धार और सौंदर्यीकरण के लिए धनराशि जारी किए जाने पर क्षेत्रीय लोगों ने प्रसन्नता व्यक्त की है और क्षेत्रीय विधायक को धन्यवाद दिया है।

## उन्नाव में अवैध खनन पर बड़ी कार्रवाई, 545 वाहनों की जांच में मचा हड़कंप

उन्नाव में अवैध खनन और ओवरलोड वाहनों के खिलाफ प्रशासन ने बड़ी कार्रवाई की है। जिलाधिकारी घनश्याम मीना के निर्देश पर गठित टास्क फोर्स ने 27-28 मई 2026 की रात जिले भर में अभियान चलाया। इस दौरान कुल 545 वाहनों की जांच की गई। जांच में 26 वाहन ओवरलोड पाए गए, जिनका चालान किया गया। इसके अतिरिक्त, 17 ओवरलोड वाहनों को विभिन्न थाना क्षेत्रों में निरुद्ध कर दिया गया। इस कार्रवाई से अवैध खनन और परिवहन में लिप्त लोगों में हड़कंप मच गया। अभियान के दौरान कई ऐसे वाहन भी सामने आए जो बिना नंबर प्लेट, नंबर मिटाकर या नंबर पर कालिख पोतकर चल रहे थे। ऐसे 22 वाहनों का चालान किया गया, जबकि 18 वाहनों को पुलिस ने कब्जे में लेकर थानों में निरुद्ध कर दिया। इस अभियान में एआरटीओ प्रवर्तन संजीव कुमार सिंह, जिला खनन अधिकारी मनीष और संबंधित थाना क्षेत्रों की पुलिस टीम शामिल थी। अधिकारियों ने देर रात तक अलग-अलग स्थानों पर चेकिंग कर नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहनों पर कार्रवाई की। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि ओवरलोडिंग, नंबर प्लेट छुपाकर वाहन चलाने और बॉडी बढ़ाकर चलने वाले वाहनों के खिलाफ यह अभियान लगातार जारी रहेगा। जिलाधिकारी के निर्देश पर अवैध खनन और नियम विरुद्ध परिवहन पर कड़ी निगरानी रखी जा रही है।

# यूपी बीजेपी में बड़ा संगठनात्मक बदलाव, पांच जिलों को मिले नए अध्यक्ष

**भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी ने अंबेडकर नगर, वाराणसी, चंदौली, गोरखपुर महानगर और देवरिया के नए जिलाध्यक्ष घोषित किए हैं। 2027 विधानसभा चुनाव से पहले संगठन मजबूत करने और सामाजिक संतुलन साधने के तहत यह नियुक्तियां की गई हैं।**

उत्तर प्रदेश में आगामी 2027 विधानसभा चुनावों को देखते हुए भारतीय जनता पार्टी ने संगठन को और मजबूत करने की दिशा में बड़ा कदम उठाया है। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी ने शुक्रवार को पांच जिलों के नए जिलाध्यक्षों की घोषणा की। पार्टी ने अंबेडकर नगर, वाराणसी, चंदौली, गोरखपुर महानगर और देवरिया में नए जिलाध्यक्ष नियुक्त किए हैं। प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी द्वारा जारी सूची के अनुसार दिलीप देव पटेल को अंबेडकर नगर, राम सकल पटेल को वाराणसी, काशीनाथ सिंह को चंदौली, रमेश प्रसाद गुप्ता को गोरखपुर महानगर और काली प्रसाद को देवरिया का जिलाध्यक्ष बनाया गया है। इन नियुक्तियों को आगामी विधानसभा चुनावों की तैयारियों से जोड़कर देखा जा रहा है।भाजपा संगठन में किए गए इन बदलावों के जरिए पार्टी ने सामाजिक समीकरणों को साधने का भी प्रयास किया है। घोषित पांच जिलाध्यक्षों में दो नेता अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) से, एक दलित समुदाय से, एक वैश्य समाज से और एक क्षत्रिय समाज से आते हैं। राजनीतिक जानकारों का मानना है कि भाजपा चुनाव से पहले विभिन्न सामाजिक वर्गों को साधने और संगठन में संतुलन बनाने की रणनीति पर काम कर रही है। पार्टी सूत्रों के मुताबिक, वाराणसी से बनाए गए जिलाध्यक्ष राम सकल पटेल लंबे समय से संगठन में सक्रिय भूमिका निभा रहे थे। उन्होंने बूथ स्तर से लेकर जिला स्तर तक पार्टी के लिए काम किया है। वहीं, चंदौली के नए जिलाध्यक्ष काशीनाथ सिंह को भी भाजपा का समर्पित और सक्रिय कार्यकर्ता माना जाता है। पार्टी नेतृत्व ने जमीनी स्तर पर काम करने वाले नेताओं को जिम्मेदारी देकर संगठन को और मजबूत करने का संदेश दिया है। भाजपा ने हाल के वर्षों में संगठन विस्तार और सामाजिक प्रतिनिधित्व पर लगातार फोकस किया है। इससे पहले नवंबर 2025 में भी पार्टी ने 14 नए जिलाध्यक्षों की सूची जारी की थी। उस समय घोषित सूची में सात नेता सामान्य वर्ग, छह पिछड़ा वर्ग और एक अनुसूचित जाति से थे। पार्टी ने कई पुराने चेहरों पर दोबारा भरोसा जताया था, जबकि कुछ जिलों में नए नेताओं को मौका दिया गया था।नवंबर 2025 में जल शक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह के गृह जिले जालौन से उर्विजा दीक्षित और उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के जिले कौशांबी से धर्मराज मौर्य को दोबारा जिम्मेदारी सौंपी गई थी। इसके अलावा अलीगढ़ जिले से कृष्णपाल सिंह, अलीगढ़ महानगर से राजीव शर्मा और फिरोजाबाद जिले से उदय प्रताप सिंह को भी उनके पदों पर बनाए रखा गया था। वहीं, फतेहपुर के विवादित जिलाध्यक्ष मुखलाल पाल को हटाकर उनकी जगह अन्नू श्रीवास्तव को नई जिम्मेदारी दी गई थी। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि भाजपा आगामी विधानसभा चुनावों से पहले संगठनात्मक ढांचे को मजबूत करने, जातीय संतुलन साधने और जमीनी कार्यकर्ताओं को आगे बढ़ाने की रणनीति पर तेजी से काम कर रही है। पार्टी नेतृत्व का उद्देश्य बूथ स्तर तक संगठन को सक्रिय रखना और चुनावी तैयारियों को समय रहते मजबूत करना है। भाजपा की ओर से की गई इन नियुक्तियों के बाद संबंधित जिलों में कार्यकर्ताओं के बीच उत्साह देखा जा रहा है। नए जिलाध्यक्षों के सामने अब संगठन को मजबूत करने, कार्यकर्ताओं को एकजुट रखने और आगामी चुनावों के लिए पार्टी की रणनीति को जमीन पर उतारने की बड़ी जिम्मेदारी होगी।

## गाजीपुर के एसपी डॉक्टर ईरम रज़ा के खिलाफ यह अवमानना याचिका

मऊ सदर से विधायक अब्बास अंसारी ने गाजीपुर के पुलिस अधीक्षक डॉ ईरम रजा के खिलाफ इलाहबाद हाईकोर्ट में अवमानना याचिका दाखिल की है. पूरा मामला मोहम्मदाबाद थाने में अब्बास अंसारी की हिस्ट्रीशीट खोलने से जुड़ा है. इस मामले में हाईकोर्ट ने 2025 में एक आदेश पारित किया था, जिसका अनुपालन ना होने पर अब्बास अंसारी फिर हाईकोर्ट पहुंचे हैं. माफिया मुख्तार अंसारी के विधायक बेटे अब्बास अंसारी ने इलाहाबाद हाईकोर्ट में अवमानना याचिका दाखिल की है. अब्बास अंसारी ने गाजीपुर के एसपी डॉक्टर ईरम रज़ा के खिलाफ यह अवमानना याचिका दाखिल की गई है. दरअसल, पूरा मामला गजपीर के मोहम्मदाबाद थाने में हिस्ट्रीशीट खोलने से जुड़ा है. अब्बास अंसारी ने हाईकोर्ट में याचिका दायर कर हिस्ट्री शीट खोले जाने को चुनौती दी थी. जिस पर 17 जुलाई 2025 को हाईकोर्ट ने कहा था कि वे एसपी गाजीपुर को अर्ज दें. हाईकोर्ट ने इस मामले में एसपी गाजीपुर को एक महीने में आदेश पारित करने का निर्देश दिया था. जस्टिस सिद्धार्थ और जस्टिस अवनीश सक्सेना की डिवीजन बेंच ने यह आदेश पारित किया था और याचिका को निस्तारित कर दिया था. आरोप है कि अब्बास अंसारी ने एसपी गाजीपुर को कई बार अर्जी दी, लेकिन इसके बावजूद कोई आदेश पारित नहीं किया गया. इसके बाद अब्बास अंसारी ने एसपी गाज़ीपुर डॉ ईरम रज़ा के खिलाफ अवमानना याचिका दायर की है. विधायक अब्बास अंसारी की ओर से यह दलील दी गई है कि वह जनप्रतिनिधि हैं और विधायक हैं, लेकिन पुलिस ने दुर्भावना से उनके खिलाफ हिस्ट्री शीट खोली है जिसे बंद किया जाना चाहिए.

## 10 साल तक ठगों के जाल में फंसकर गंवा दिए 95 लाख रुपये

उत्तर प्रदेश के बलिया जिले से स्वास्थ्य व्यवस्था की बदहाल तस्वीर सामने आई है। यहां मनियर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (PHC) में मोबाइल की टॉर्च की रोशनी में मरीज का इलाज किए जाने का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वीडियो सामने आने के बाद स्वास्थ्य विभाग में हड़कंप मच गया है। मुख्य चिकित्सा अधिकारी (CMO) ने मामले की जांच के आदेश दिए हैं।करीब 2 मिनट 9 सेकेंड के वायरल वीडियो में देखा जा सकता है कि अस्पताल में बिजली नहीं है और मरीज के परिजन मोबाइल की फ्लैश लाइट जलाकर डॉक्टरों को इलाज करने में मदद कर रहे हैं। बताया जा रहा है कि यह घटना देर रात की है, जब सड़क हादसे में घायल एक व्यक्ति को इलाज के लिए मनियर पीएचसी लाया गया था।पीड़ित के बेटे के मुताबिक, वह अपने पिता के साथ बाइक से जा रहा था। इसी दौरान मनियर हनुमान मंदिर के पास एक स्विफ्ट डिजायर कार ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। हादसे में उसके पिता गंभीर रूप से घायल हो गए और उनके पैर में गंभीर चोट आई। सूचना मिलने पर एंबुलेंस मौके पर पहुंची और घायल को मनियर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया।परिजनों का आरोप है कि अस्पताल पहुंचने पर वहां बिजली नहीं थी और डॉक्टर भी तुरंत उपलब्ध नहीं थे। मजबूरी में मोबाइल की टॉर्च जलाकर इलाज शुरू किया गया। घायल के बेटे ने बताया कि अस्पताल में जनरेटर मौजूद था, लेकिन वह खराब पड़ा था। हादसे में उसके पिता के पैर की हड्डी टूट गई थी, जिसके बाद उन्हें बेहतर इलाज के लिए जिला अस्पताल बलिया रेफर कर दिया गया।मामले के वायरल होने के बाद मुख्य चिकित्सा अधिकारी आनंद सिंह ने कहा कि उन्हें घटना की जानकारी सुबह मिली। अस्पताल प्रभारी ने बताया कि जनरेटर में डीजल मौजूद था, लेकिन तकनीकी खराबी के कारण वह चालू नहीं हो सका। इसी बीच घायल मरीज अस्पताल पहुंच गया। सीएमओ ने पूरे मामले की जांच के लिए कमेटी गठित कर दी है। उन्होंने कहा कि जांच रिपोर्ट आने के बाद दोषियों के खिलाफ उचित कार्रवाई की जाएगी।

## 100 किमी की रफ्तार से चल सकती है आंधी

मौसम विभाग के अनुसार, सहारनपुर, शामली, मुजफ्फरनगर, बागपत, मेरठ, गाजियाबाद, हापुड़, गौतम बुद्ध नगर, बुलंदशहर, अलीगढ़, मथुरा, हाथरस, एटा, आगरा, फिरोजाबाद, मैनपुरी, इटावा, औरैया, बिजनौर, अमरोहा, जालौन, हमीरपुर, महोबा और झांसी में गरज-चमक के साथ बारिश हो सकती है। बांदा, फतेहपुर, बलिया, देवरिया, गोरखपुर, संत कबीर नगर, बस्ती, कुशीनगर, महाराजगंज, सिद्धार्थ नगर, गोंडा, बलरामपुर, श्रावस्ती, बहराइच, लखीमपुर खीरी, सीतापुर, हरदोई, फर्रुखाबाद, कन्नौज, कानपुर देहात, कानपुर नगर, चित्रकूट कौशाम्बी, प्रतापगढ़, जौनपुर, गाजीपुर, आजमगढ़, मऊ, उन्नाव, लखनऊ, बाराबंकी, रायबरेली, अमेठी, सुल्तानपुर, अयोध्या, अंबेडकर नगर, और ललितपुर में भी गरज-चमक के साथ बारिश हो सकती है। इसके साथ इन जिलों में ओलावृष्टि के आसार है। इस दौरान 60-70 किमी की रफ्तार आंधी चल सकती है। कुछ जिलों में 80 किमी की रफ्तार से आंधी आ सकती है। मौसम विभाग के पुर्वानुमान के मुताबिक, पूर्वी यूपी, पश्चिमी यूपी में 29 मई (शुक्रवार) को गरज-चमक के साथ हल्की बारिश हो सकती है। मौसम विभाग ने बताया कि मथुरा, हाथरस, कासगंज, एटा, आगरा, फिरोजाबाद, मैनपुरी, इटावा, औरैया, अमरोहा, मुरादाबाद, रामपुर, बरेली, पीलीभीत, शाहजहांपुर, संभल, बदायूं, जालौन, हमीरपुर, महोबा, झांसी, ललितपुर में 80 से 90 किमी की रफ्तार से आंधी चल सकती है। कुछ जगहों पर 100 किमी/घंटा की रफ्तार से आंधी चल सकती है। बांदा, चित्रकूट, कौशाम्बी, प्रयागराज, फतेहपुर प्रतापगढ़, सोनभद्र, मिर्जापुर, चंदौली, वाराणसी, संत रवि दास नगर, जौनपुर, गाजीपुर, श्रावस्ती, बहराइच, लखीमपुर खीरी,सीतापुर, हरदोई, फर्रुखाबाद, कन्नौज, कानपुर देहात, कानपुर नगर, उन्नाव, रायबरेली, सहारनपुर, शामली, मुजफ्फरनगर, बागपत, मेरठ, गाजियाबाद, हापुड़, गौतम बुद्ध नगर, बुलंदशहर, अलीगढ़, मथुरा, हाथरस, कासगंज, एटा, आगरा, फिरोजाबाद, मैनपुरी, इटावा, औरैया, बिजनौर, अमरोहा, मुरादाबाद, रामपुर, बरेली, पीलीभीत, शाहजहांपुर, संभल, बदायूं, जालौन, हमीरपुर, महोबा, झांसी, ललितपुर में बारिश के साथ ओले गिर सकते हैं।